सुविचार

अगर मेहनत आदत बन जाए, तो कामयाबी मुकद्दर बन जाती है।

प्रथम न्यूज़

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

PRATHAM NEWS

Website: www.prathamnews.in

email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News

@dainikprathamnews

श्रेयस अय्यर के शतक के दम पर पंजाब को एक महीने बाद मिली जीत, प्लेऑफ की उम्मीदों को रखा जिंदा...

» पृष्ठ 7 पर

जालंधर, वर्ष: 16 अंक : 142 | दिनांक : रविवार, 24 मई 2026 | सम्पादक : विवेक धीर | सम्पर्क: | 97796-00900 | पन्ने- 8 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

19 वाँ रोजगार मेला: 51 हजार युवाओं को मिले नियुक्ति पत्र

प्रधानमंत्री बोले, अब आप देश की विकास यात्रा का हिस्सा, दुनिया भारत के युवाओं को लेकर बेहद उत्साहित

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

23 मई (एएम नाथ)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 19वें रोजगार मेले में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 51000 से अधिक लोगों को नियुक्ति पत्र बांटे। इन सभी लोगों की विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में हाल ही में नियुक्ति हुई है। पीएम मोदी ने इस दौरान अपनी हाल के पांच देशों की यात्रा का भी जिक्र किया। पीएम ने देश की युवाओं की तारीफ करते हुए कहा कि दुनिया भारत के युवाओं और भारत की टेक्नोलॉजिकल प्रोग्रेस को लेकर बहुत उत्साहित है। आज दुनिया भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बनना चाहती है। पीएम ने कहा कि देश के नौजवानों को ग्लोबल एक्सपोजर भी मिले।

पीएम मोदी ने रोजगार मेले में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बताया कि अभी दो दिन पहले मैं पांच देशों की यात्रा करके लौटा हूं। कहने को तो ये सिर्फ पांच देशों की यात्रा थी, लेकिन इस दौरान मेरी दर्जनों देशों की बड़ी बड़ी कंपनियों के लीडर्स से बातें हुईं, विस्तार से चर्चा हुईं। इस दौरान हर जगह मैंने एक बात समान रूप से महसूस की है। दुनिया भारत के युवाओं और भारत की टेक्नोलॉजिकल प्रोग्रेस को लेकर बहुत उत्साहित है। आज दुनिया भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बनना चाहती है।

युवाओं से पीएम को बड़ी उम्मीद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज देशभर के हजारों युवाओं के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण दिवस है। आज 51 हजार से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र मिला है।

आज आप सभी देश की विकास यात्रा में अहम भागीदार बन रहे हैं। रेलवे, बैंकिंग, डिफेंस, स्वास्थ्य, शिक्षा और दूसरे कई क्षेत्रों में आप सभी नई जिम्मेदारियां संभालने जा रहे हैं। आने वाले वर्षों में विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने में आप सभी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हैं।

देश के नौजवानों को ग्लोबल एक्सपोजर भी मिल

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत भी दुनिया के अलग अलग देशों के साथ पार्टनरशिप कर रहा है। इसका उद्देश्य यही है कि भारत के युवाओं को अवसर मिले, रोजगार मिले, उनका सामर्थ्य खिल उठे। साथ ही साथ मैं चाहता हूं कि देश के नौजवानों को ग्लोबल एक्सपोजर भी मिले।

अमेरिकी विदेश मंत्री रूवियो ने प्रधानमंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली (ब्यूरो)- अमेरिकी विदेश मंत्री माबों रूबियों ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से उन्हें निकट भविष्य में व्हाइट हाउस आने का निमंत्रण दिया। बैठक के दौरान दोनों नेताओं के बीच भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति और क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई।

रुथियों ने रक्षा, रणनीतिक प्रौद्योगिकी, व्यापार एवं निवेश, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी, शिक्षा और लोगों के बीच संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की जानकारी प्रधानमंत्री को दी। रुबियो ने पश्चिम एशिया की स्थिति समेत विभिन्न क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर अमेरिकी दृष्टिकोण भी साझा किया।

RBI के 2.86 करोड़ के सरप्लस फंड्स से इकॉनमी को मिलेगा बूस्ट!

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

23 मई (एएम नाथ)

मध्यपूर्व एशिया में 84 दिन से जारी युद्ध और संकट का साया भारत की ऑयल और गैस अर्थव्यवस्था पर गहराता जा रहा है। स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज़ के ज़रिये तेल और गैस टैंकरों की आवाजाही बाधित होने से यहां से भारत पहुंचने वाला 40% कच्चा तेल, करीब 50% एलएनजी (LNG) और 90% एलपीजी (LPG) का आयात बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। इस संकट के दौरान सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतें बढ़ायी हैं। पिछले एक हफ्ते में पेट्रोल और डीजल की रिटेल कीमतों में दो बार बढ़ोतरी की गयी है। लेकिन इसके बावजूद पेट्रोल और डीजल पर सरकारी तेल कंपनियों की अंडर-रिकवरी काफी ज्यादा है। इस वित्तीय संकट से जूझ रहे भारत सरकार के लिए एक राहत भरी खबर आयी। भारतीय रिज़र्व बैंक ने ऐलान किया कि उसके केंद्रीय बोर्ड ने लेखा वर्ष 2025-26 के लिए केंद्र सरकार को कुल 2,86,588.46 करोड़ के सरप्लस फंड्स के ट्रांसफर को मंजूरी दे दी है।

पिछले साल आरबीआई केंद्रीय बोर्ड ने 2.68 लाख करोड़ के सरप्लस फंड्स के ट्रांसफर की मंजूरी दी थी। ज़ाहिर है, आरबीआई से केंद्र सरकार को ट्रांसफर होने वाला 2.86 लाख करोड़ रुपये का फंड वित्तीय संकट को कम करने में मदद कर सकता है, क्योंकि मध्यपूर्व एशिया में संकट के दौरान तेल और गैस आयात का बिल काफी ज़्यादा बढ़ चुका है। इस दौरान डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत भी काफी कमज़ोर हो गया है।

संक्षिप्त न्यूज

मेजर अभिलाषा बराक को मिला द मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर पुरस्कार

नई दिल्ली (ब्यूरो)- मेजर अभिलाषा बराक को यूनाइटेड नेशंस मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवॉर्ड मिला है। अभिलाषा फिलहाल लेबनान में संयुक्त राष्ट्र मिशन में भारतीय शांतिरक्षक के रूप में सेवारत हैं। पश्चिम एशियाई देश में तैनाती के दौरान महिलाओं और लड़कियों के साथ किए गए संपर्क प्रयासों के लिए बराक को 2025 का ये अवॉर्ड दिया जाएगा।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि मेजर अभिलाषा बराक को 2025 का 'यूनाइटेड नेशंस मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवॉर्ड' के लिए चुना गया। उन्हें महिलाओं और किशोरियों के साथ संपर्क कायम करने और सामुदायिक गतिविधियों तथा शांतिरक्षकों को लैंगिक संवेदनशीलता प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सम्मानित किया जा रहा है।''

राज्यसभा में राघव चड्ढा को मिली बड़ी जिम्मेदारी, याचिका समिति के बने नए अध्यक्ष

चंडीगढ़ (एएम नाथ)- हाल ही में आम आदमी पार्टी (AAP) छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (BJP) का दामन थामने वाले राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को संसद में एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। राघव चड्ढा को राज्यसभा की प्रतिष्ठित याचिका समिति का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के स्थान पर हाल ही में कार्यभार संभालने वाले नए सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने इस समिति का पुनर्गठन करते हुए इस संबंध में आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है।

राज्यसभा सचिवालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, इस समिति का पुनर्गठन 20 मई 2026 से प्रभावी माना गया है। सभापति ने उच्च सदन के 10 सदस्यों को इस समिति के लिए नामित किया है, जिसकी कमान अब राघव चड्ढा के हाथों में होगी।

लेह में हेलीकॉप्टर क्रैश पर मौत को दे दी मात

जिंदा बचे अफसरों का विक्ट्री साइन

» प्रथम न्यूज । जम्मू

23 मई (ब्यूरो)

भारतीय सेना का एक चीता हेलीकॉप्टर लेह इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में किसी की जान नहीं गई है। हेलीकॉप्टर चला रहे लेफ्टिनेंट कर्नल और मेजर रैंक के अधिकारी इस हादसे में घायल हुए हैं। उनके साथ बैठे 3 इन्फेंटरी डिविजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग ऑफिसर मेजर जनरल सचिन मेहता भी घायल हुए हैं। इस हादसे के बाद जवानों की तस्वीर सामने आई है। जिसमें वो पहाड़ों पर बैठे हैं और विक्ट्री का साइन बनाए हुए हैं। उनका जज्बा देखकर आप भी उन्हें सलाम करेंगे।

खतरनाक था हादसा : फोटो में साफ दिख रहा है जवान खतरनाक इलाके में जमीन पर लेटे हुए हैं। तीनों जवान इस हादसे में करिश्माई तरीके से बच गए। जब सभी जवान जमीन पर थे तो मेजर जनरल मेहता ने अपने मोबाइल से सेल्फी ली तो दूर खड़े जवान ने उन्हें विक्ट्री साइन दिखाया। पास में ही चीता हेलीकॉप्टर का मलबा दिख रहा है। वहीं दूर-दूर तीनों जवान दिख रहे हैं।

तीनों अधिकारी सुरक्षित : सेना ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि सेना के तीनों जवान इस हादसे में करिश्माई तरीके से सुरक्षित हैं। सेना ने बताया कि 20 मई को ये हादसा हुआ था जिसकी जानकारी अभी दी जा रही है। सेना ने बताया कि इस हादसे में तीनों अधिकारी घायल हुए हैं लेकिन सुरक्षित हैं। सेना ने बताया कि जनरल ऑफिसर कमांडिंग भी हेलीकॉप्टर में सवार थे। उनके साथ दोनों पायलट भी सुरक्षित हैं।

जवानों का बचना करिश्मे से कम नहीं

आम तौर पर ऊंचाई वाले इलाके में हेलीकॉप्टर उड़ाना काफी कठिन माना जाता है। ऐसे में लेह जैसे दुर्गम इलाके में जवानों का सुरक्षित बचना किसी करिश्मे से कम नहीं है। सभी जवान तस्वीरों में बिल्कुल सुरक्षित दिख रहे हैं। उनका इलाज जारी है। हेलीकॉप्टर इस घटना में पूरी तरह टूट गया है। हेलीकॉप्टर के पंखें और सामने का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त है।

चीन की कोयला खदान में भीषण ब्लास्ट, 90 मजदूरों की मौत

शांक्सी की खदान में गैस विस्फोट से तबाही, कई मजदूर अब भी फंसे

» प्रथम न्यूज । बिजिंग

23 मई (एजेंसी)

उत्तरी चीन के शांक्सी प्रांत में स्थित किनयुआन काउंटी की लिउशेन्यू कोयला खदान में हुए भीषण विस्फोट में कम से कम 85 लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद कई मजदूरों के अब भी खदान के अंदर फंसे होने की आशंका जताई जा रही है, जिसके चलते मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। इस दर्दनाक घटना से पूरे चीन में शोक और चिंता का माहौल है।

चीनी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, शुक्रवार शाम करीब 7-29 बजे खदान में अचानक गैस विस्फोट हुआ। शुरुआती जांच में माना जा रहा है कि खदान के अंदर कार्बन मोनोऑक्साइड गैस का स्तर अत्यधिक बढ़ जाने से धमाका हुआ। हादसे के समय खदान में करीब 250 मजदूर काम कर रहे थे। हालांकि अंदर मौजूद

मजदूरों की सटीक संख्या को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

विस्फोट के तुरंत बाद राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। चीन सरकार ने छह नेशनल माइन इमरजेंसी रेस्क्यू टीमों को मौके पर भेजा है। इन टीमों में 345 से अधिक सदस्य शामिल हैं, जो आधुनिक उपकरणों की मदद से फंसे मजदूरों को निकालने में जुटे हुए हैं। प्रशासन ने आसपास के इलाके को भी सील कर दिया है। शुरुआत में मृतकों की संख्या कम बताई गई थी, लेकिन जैसे-जैसे रेस्क्यू ऑपरेशन आगे बढ़ा, मौतों का आंकड़ा तेजी से बढ़कर 85 तक पहुंच गया। बताया जा रहा है कि हादसे से पहले खदान में जहरीली गैस को लेकर चेतावनी भी जारी की गई थी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने हादसे पर गहरा दुख जताते हुए तुरंत रिपोर्ट तलब की है। उन्होंने राहत कार्य तेज करने, घायलों का बेहतर इलाज सुनिश्चित करने और हादसे के जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

खर्चों में कटौती के लिए जम्मू-कश्मीर सरकार का बड़ा फैसला, बाहरी कार्यक्रमों पर रोक

सरकारी फिजूलखर्ची पर सख्ती, नई गाड़ी खरीदने से पहले पुरानी करनी होगी नीलाम

» प्रथम न्यूज । जम्मू

23 मई (ब्यूरो)

जम्मू-कश्मीर सरकार ने सरकारी खर्चों में कटौती और वित्तीय अनुशासन लागू करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। वित्त विभाग की ओर से जारी नए आदेशों के तहत अब सरकारी खर्चों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और कई गैर-जरूरी गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। सरकार ने निर्देश दिया है कि राज्य के बाहर होने वाले कॉन्फ्रेंस, सेमिनार, वर्कशॉप और ट्रेनिंग प्रोग्राम को यथासंभव टाला जाए।

केवल अत्यंत आवश्यक मामलों में ही ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा विभागों को सलाह दी गई है कि बैठकें और प्रशिक्षण कार्यक्रम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित किए जाएं ताकि यात्रा और ठहरने पर होने वाला खर्च कम किया जा सके।

सरकारी खर्चों में कटौती के तहत निजी होटलों में आयोजित होने वाली सरकारी बैठकों और कार्यक्रमों पर भी पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है।

अब सभी सरकारी मीटिंग, सेमिनार और कार्यक्रम केवल सरकारी भवनों और कार्यालय परिसरों में ही आयोजित किए जाएंगे। सरकार का मानना है कि इससे अनावश्यक खर्चों में बड़ी कमी आएगी।

वाहनों की खरीद को लेकर भी सख्त नियम लागू किए गए हैं। किसी भी विभाग को नई गाड़ी खरीदने से पहले पुरानी गाड़ी की नीलामी करनी होगी। इसके साथ ही सरकार ने सरकारी वाहनों की कुल संख्या में 20 प्रतिशत तक कमी लाने का लक्ष्य तय किया है। सरकार के इस फैसले को प्रशासनिक खर्चों में नियंत्रण और संसाधनों के बेहतर उपयोग की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

पंजाब के कपूरथला जेल में हिंसक झड़प

बैरक की दीवार तोड़ी, एक कैदी को गोली लगने की खबर

» प्रथम न्यूज । कपूरथला

23 मई (ब्यूरो)

पंजाब की कपूरथला जेल में शनिवार रात दो गुटों में अचानक हिंसक झड़प हो गई। इस बवाल के बाद पूरे जेल परिसर में हड़कंप मच गया। कैदियों ने कथित तौर पर बैरकों में तोड़फोड़ की और जेल के एक हिस्से में आग लगाने की कोशिश की, इससे जेल अधिकारियों में दहशत फैल गई। बताया जाता है कि एक कैदी से जुड़े विवाद के बाद ये बवाल शुरू हुआ, जो बाद में हिंसक झड़प में बदल गई। शुरुआती जानकारी के अनुसार, कैदियों और विचाराधीन कैदियों के बीच झड़प हुई, जिसके दौरान जेल की संपत्ति को नुकसान पहुंचा और बैरक संख्या 4 की भीतरी दीवारें कथित तौर पर टूट गईं। इस अराजकता के दौरान पुलिसकर्मियों पर भी हमले की खबरें आईं।

घटनास्थल पर भारी पुलिस बल तैनात

घटनास्थल से सामने आए वीडियो में कैदी प्रशासन पर बल प्रयोग करने और गोली चलाने का आरोप लगाते हुए दिख रहे हैं। साथ ही ये भी आरोप लगा रहे हैं कि एक कैदी को गोली लगी है। कपूरथला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मौके पर पहुंचे हैं और घटना की जांच की जा रही है। हालांकि, जालंधर रेंज के डीआईजी के अनुसार, स्थिति अब नियंत्रण में है। घटनास्थल पर भारी पुलिस बल तैनात है।

संक्षिप्त न्यूज

पंजाब में बड़ी आतंकी साजिश नाकाम

पुलिस ने दो आरोपियों को जिंदा हैंड ग्रेनेड सहित दबोचा

लुधियाना (ब्यूरो)– कमिश्नरेट पुलिस और काउंटर इंटेलिजेंस की संयुक्त टीम ने अंतरराष्ट्रीय आतंकी–गैंगस्टर गठजोड़ के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो और खतरनाक आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से दो जिंदा हैंड ग्रेनेड बरामद किए हैं। पुलिस का दावा है कि समय रहते की गई इस कार्रवाई से पंजाब में एक बड़ी आतंकी वारदात टाल दी गई।

पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा ने बताया कि यह कार्रवाई 17 मई को बेनकाब किए गए आतंकी–गैंगस्टर मॉड्यूल की जांच के दौरान सामने आई अहम जानकारियों के आधार पर की गई।

इससे पहले थाना लाडोवाल इलाके में हार्डीज वर्ल्ड के पास टारगेटेड शूटिंग की साजिश को नाकाम करते हुए पुलिस ने अनूराज उर्फ गौरव मसीह और अंकुश को गिरफ्तार किया था। उस दौरान पुलिस ने उनके कब्जे से तीन पिस्तौल और 11 जिंदा कारतूस बरामद किए थे।

पूछताछ के दौरान खुलासा हुआ था कि यह पूरा मॉड्यूल विदेश में बैठे हैंडलरों के इशारे पर काम कर रहा था। जांच में सामने आया कि जर्मनी और दुबई में बैठे संचालकों के निर्देश पर पंजाब में हाई प्रोफाइल हत्याओं और बड़ी वारदातों की साजिश रची जा रही थी।

ताजा कार्रवाई में पुलिस ने तरनतारन के गांव खैरदीन निवासी करणदीप सिंह उर्फ करण और अमृतसर निवासी बलजीत सिंह उर्फ संजू को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपित मलेशिया में बैठे हैंडलर आकाशदीप उर्फ गोल्डन के संपर्क में थे और उसके निर्देशों पर काम कर रहे थे। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि करणदीप सिंह के खिलाफ पहले से हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट के तहत कई मामले दर्ज हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपितों को हैंड ग्रेनेड और अन्य हथियार कहां से उपलब्ध करवाए गए और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोग कौन हैं। हैंड ग्रेनेड बरामद होने के बाद पुलिस ने एफआईआर नंबर 91 में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 3, 4 और 5 के साथ बीएनएस की धारा 317(2) भी जोड़ दी है।

सीनियर सेकेंडरी स्कूल मगरमूदियां में नशे के विरुद्ध जागरूकता कैंप आयोजित

गुरदासपुर (संदीप सन्नी) : नशामुक्त भारत अभियान के तहत विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों और समाज में बढ़ रही इस चिंताजनक समस्या के प्रति जागरूक करने के लिए रेड क्रॉस इंटीग्रेटेड एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर फॉर एडिक्ट्स, गुरदासपुर द्वारा एक विशेष जागरूकता कैंप लगाया गया। यह कैंप सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गांव मगरमूदियां में प्रिंसिपल हरविंदर कौर की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

सेमिनार का मुख्य उद्देश्य : नेशनल अवार्डी रोमोश महाजन ने जानकारी देते हुए बताया कि इस सेमिनार का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के विनाशकारी शारीरिक, मानसिक और सामाजिक परिणामों के प्रति संवेदनशील बनाना था।

विशेषज्ञों के विचार : आई.आर.सी.ए. गुरदासपुर की टीम के सदस्यों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए महत्वपूर्ण जानकारी साझा की-

इलाज संभव है : विशेषज्ञों ने बताया कि नशा एक जटिल बीमारी जरूर है, लेकिन निरंतर सहायता, सही उपचार और काउंसलिंग के माध्यम से इसे पूरी तरह ठीक किया जा सकता है।

लक्षणों की पहचान : टीम ने नशे के दुरुपयोग के शुरुआती लक्षणों और समय पर मदद लेने के महत्व पर प्रकाश डाला।

मानसिक स्वास्थ्य : युवाओं को नशे के खतरे से बचाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए बताया गया कि यह मानसिक स्वास्थ्य पर बेहद गंभीर प्रभाव डालता है।

सफलता का मंत्र और शपथ : विद्यार्थियों को जीवन में सही निर्णय लेने, कड़ी मेहनत करने और सफल होने के लिए प्रेरित किया गया। सत्र के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने नशे से दूर रहने और समाज को नशामुक्त बनाने की शपथ ली।

संत कबीर कॉलेज छात्रों के मार्गदर्शन के लिए प्रतिबद्ध है : जीरा

जीरा 23 मई (अंग्रेज बराड़) – जगत गुरु नानक देव पंजाब राज्य मुक्त विश्वविद्यालय ने दिसंबर 2025 सत्र के परिणाम जारी कर दिए हैं। विश्वविद्यालय ने इन परिणामों को अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है, जिसके माध्यम से छात्र आसानी से अपने परिणाम देख सकते हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए संत कबीर कॉलेज जीरा के प्रबंध निदेशक डॉ. सुखदेव सिंह जीरा और प्रधानाचार्या डॉ. वीरपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय के सभी छात्र अपने परिणाम ध्यानपूर्वक देखें और यदि किसी छात्र को परिणाम देखने या डाउनलोड करने में कोई तकनीकी समस्या आ रही है, तो वे संत कबीर कॉलेज जीरा से संपर्क कर सकते हैं। कॉलेज छात्रों को पूरा सहयोग प्रदान करेगा ताकि वे समय पर अपना परिणाम प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि कॉलेज हमेशा छात्रों की सुविधा और मार्गदर्शन के लिए प्रतिबद्ध है। छात्रों से अपील की गई है कि वे अपना परिणाम केवल विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट से ही देखें और किसी भी प्रकार की अफवाह या गलत जानकारी से बचें। यह जानकारी प्रबंध निदेशक डॉ. सुखदेव सिंह जीरा और प्रधानाचार्या डॉ. वीरपाल द्वारा छात्रों की जानकारी के लिए साझा की गई है ताकि प्रत्येक छात्र को समय पर सही जानकारी मिल सके।

आरबीआई से रिकॉर्ड फंड ट्रांसफर पर केंद्र सरकार घिरी

'आरबीआई को निजी खजाना बना रही केंद्र सरकार', हरपाल चीमा का मोदी सरकार पर हमला

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
23 मई (एएम नाथ)

पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा केंद्र सरकार को लगभग 2.87 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड फंड ट्रांसफर को लेकर भाजपा नीत केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार अपने वित्तीय घाटे को पूरा करने के लिए आरबीआई को निजी खजाने की तरह इस्तेमाल कर रही है, जबकि राज्यों को उनके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है।

चीमा ने कहा कि भारत का वित्तीय ढांचा सहकारी संघवाद पर आधारित है और देश के हर राज्य का राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और राजस्व संग्रह में योगदान होता है। ऐसे में आरबीआई के सरप्लस पर केवल केंद्र का अधिकार नहीं होना चाहिए। उन्होंने मांग की कि इस फंड का हिस्सा राज्यों को भी दिया जाए ताकि वे बढ़ती महंगाई, कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों का बोझ बेहतर तरीके से संभाल सकें। सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए वित्त मंत्री ने दावा किया कि वर्ष 2014 से अब तक केंद्र सरकार ने आरबीआई से करीब 14.29 लाख करोड़ रुपये हासिल किए हैं। इनमें से आधे से अधिक फंड केवल पिछले तीन वर्षों में ट्रांसफर किए गए। उन्होंने बताया कि 2023-24 में 2.10 लाख करोड़ रुपये, 2024-25 में 2.68 लाख करोड़ रुपये और अब 2025-26 में लगभग 2.87 लाख करोड़ रुपये केंद्र को दिए गए हैं।

चीमा ने कहा कि आरबीआई के भंडार से लगातार इतनी बड़ी रकम निकालना असामान्य है और इससे केंद्रीय बैंक की संस्थागत मजबूती तथा दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता प्रभावित हो सकती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यही स्थिति जारी रही तो इससे देश की आर्थिक संरचना और संघीय व्यवस्था दोनों कमजोर होंगी।

केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि बार-बार आरबीआई से फंड लेने के बावजूद आम लोगों को राहत नहीं मिल रही। पेट्रोल, डीजल और घरेलू रसोई गैस की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और महंगाई से जनता परेशान है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए चीमा ने कहा कि केंद्र सरकार को देश के सामने स्पष्ट करना चाहिए कि आरबीआई से लगातार भारी फंड लेने के बावजूद आम लोगों को महंगाई से राहत क्यों नहीं मिल रही।

जालंधर के शिक्षक 2 जून को सिख्य भवन मोहाली में धरने में शामिल होंगे : जीटीयू

» प्रथम न्यूज । जालंधर
23 मई (कुलदीप सिंह)

राज्य स्तरीय बैठक के निर्णय के अनुसार, पंजाब सरकारी शिक्षक संघ ने अध्यक्ष सुखविंदर सिंह चहल, महासचिव गुरविंदर सिंह सस्कौर, सचिव मनोहर लाल शर्मा आदि के नेतृत्व में, संपूर्ण शिक्षक समुदाय की साझा मांगों को निर्धारित करने के लिए 2 जून को मोहाली के शिक्षा भवन में आयोजित राज्य स्तरीय धरने में पूर्णत: भाग लेने की घोषणा की। यह बैठक जालंधर जिला सरकारी शिक्षक संघ के अध्यक्ष करनैल फिल्लौर की अध्यक्षता में हुई और इसमें यथासंभव अधिक से अधिक भागीदारी की घोषणा की गई। बैठक की कार्यवाही जिला महासचिव सुखविंदर सिंह मक्कर द्वारा संचालित की गई। पंजाब सरकारी शिक्षक संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष तीरथ सिंह बस्सी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि याचिका में उल्लिखित मांगों को पूरा करने के लिए राज्यव्यापी व्यापक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है। इन मांगों में पुरानी पेंशन की बहाली, सुधारों के नाम पर बंद किए गए भत्तों की बहाली, शिक्षकों से गैर-शैक्षणिक कार्य बंद करवाना, विभिन्न श्रेणियों के शिक्षकों की पदोन्नति, तबादलों को पारदर्शी तरीके से करना, ग्रामीण भत्ता और सीमावर्ती क्षेत्र भत्ता की बहाली, रिक्त पदों को भरना, नई शिक्षा नीति 2020 को रद्द करना और पंजाब की अपनी शिक्षा नीति बनाना, विभिन्न योजनाओं के तहत पूर्ण ग्रेड में कार्यरत शिक्षकों को नियमित करना, महंगाई भत्ता (डीए) की किस्तों और बकाया राशि का भुगतान आदि शामिल हैं। राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन की सफलता के लिए अधिक से अधिक शिक्षकों को शामिल करने के प्रयास तेज किए जाने चाहिए और सभी की पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। जिला प्रेस सचिव वेद राज ने प्रेस को सूचित किया कि 2 जून को मोहाली के शिक्षा भवन में आयोजित होने वाले राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के लिए प्रत्येक कार्य ब्लॉक से वाहन भेजे जाएंगे और शिक्षक भी इसमें शामिल होंगे। स्थानीय स्तर के नेताओं को जिम्मेदारियां सौंपी जा चुकी हैं। एक अलग प्रस्ताव पारित करते हुए, जालंधर माध्यमिक शिक्षा अधिकारी ने विद्यालय प्रधानाचार्यों को जारी किए गए उस पत्र की कड़ी निंदा की, जिसमें जनगणना कार्य में लगे शिक्षकों को बारी-बारी से भीषण गर्मी और समयबद्ध तरीके से जनगणना कराने के लिए भेजने का निर्देश दिया गया था। प्राथमिक स्तर पर एकल शिक्षक विद्यालयों के शिक्षकों की जिम्मेदारियों में तत्काल कटौती की जाए और जिन विद्यालयों में 100 प्रतिशत जिम्मेदारियां हैं, उनकी जिम्मेदारियों में भी तत्काल 50 प्रतिशत की कटौती की जाए। यदि माध्यमिक जिला शिक्षा अधिकारी अपने कर्तव्यों के संबंध में जिला प्रशासन के समक्ष ऐसा विरोध प्रदर्शन करते हैं, तो जालंधर जिला सरकारी शिक्षक संघ उनका पूर्ण समर्थन करेगा।

श्री हरगोबिंदपुर साहिब में सामाजिक और आर्थिक जनगणना सिखलाई का पहला चरण संपन्न

गुरदासपुर (संदीप सन्नी) : श्री हरगोबिंदपुर साहिब के बी.डी.पी.ओ. कार्यालय में सामाजिक और आर्थिक जनगणना संबंधी सिखली का पहला चरण प्रभावशाली ढंग से संपन्न हुआ। यह महत्वपूर्ण प्रशिक्षण एडिशनल डिप्टी कमिश्नर (जनरल) गुरसिमरन सिंह ढिल्लों की देखरेख में आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण की मुख्य विशेषताएं

प्रतिभागी : इस विशेष कैंप में श्री हरगोबिंदपुर साहिब क्षेत्र के लगभग 40 सर्वेक्षकों और गिनतीकारों ने भाग लिया।

तकनीकी शिक्षा : ट्रेनरों द्वारा प्रतिभागियों को डेटा एकत्र करने के वैज्ञानिक और प्रामाणिक तरीकों के साथ-साथ मोबाइल एप्लिकेशन के कुशल उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रायोगिक सत्र : फील्ड स्तर पर काम को आसान बनाने के लिए प्रैक्टिकल सेशन आयोजित किए गए, ताकि सर्वेक्षक तकनीकी और प्रशासनिक पहलुओं को बारीकी से समझ सकें।

भविष्य की नीतियों के लिए डेटा का महत्व

इस अवसर पर एडिशनल डिप्टी कमिश्नर ढिल्लों ने बताया कि यह सामाजिक और आर्थिक सर्वे लोगों के जीवन स्तर और आर्थिक स्थिति के बारे में सटीक जानकारी प्रदान करता है। यही डेटा भविष्य की जनकल्याणकारी नीतियां बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कर्मचारियों से इस कार्य को पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ करने की अपील की।

डिजिटल सुविधाएं प्रदान की गईं

जिला कोआर्डिनेटर एवं इंचार्ज गुरप्रीत ने सभी सुपरवाइजरों और गिनतीकारों का स्वागत किया और उन्हें सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए मोबाइल फोन सौंपे। उन्होंने कहा कि इन तकनीकी सुविधाओं से सर्वेक्षण प्रक्रिया तेज, पारदर्शी और सुचारू बनेगी।

उपस्थित गणमान्य

प्रशिक्षण के दौरान जिला गाइडेंस काउंसलर मुकेश वर्मा, सी.जी.आर.पी. परमजीत सिंह, बी.डी.पी.ओ. श्री हरगोबिंदपुर साहिब नरिंदर सिंह, नवजोत कौर और अन्य अनुभवी ट्रेनर उपस्थित रहे, जिन्होंने अपने अनुभव से प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया।

फादर जोश, पीटीआइटीआर को धार्मिक समारोहों के साथ विदाई

**ईसाई एकता के प्रयास जारी रहने चाहिए- फादर पीटीआइटीआर

धारीवाल 23 मई (अल्बर्ट गिल)– टेरेसा नगर के पास सोहल स्थित सेंट टेरेसा चर्च के पैरिश प्रीस्ट फादर जोश पीटीआइटीआर को उनके तबादले के कारण विभिन्न मिशनों और सामाजिक संगठनों द्वारा धार्मिक रस्मों के साथ विदाई दी गई। इस अवसर पर जालंधर डायोसिस के लेटी कमीशन के सदस्य डॉ. राकेश विलियम के प्रबंधन में चर्च में प्रार्थना सभा और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न धार्मिक ईसाई मिशनों, मेथोडिस्ट, सीएनआई, साल्वेशन आर्मी, आजाद मिशन, होसन्ना चर्च, बिलीवर चर्च, मिशन के अलावा धारीवाल पास्टर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर मसीह भजनों के अलावा बिशप डॉ. सेथ रंधावा द्वारा वचन पढ़ा गया और मेथोडिस्ट के डीएस द्वारा वचन सुनाया गया। इस मौके पर अलग-अलग धार्मिक नेताओं और समाजसेवियों ने फादर पैट्रिटी की सेवा की तारीफ़ की और कहा कि फादर जी ने अपनी 4 साल की सेवा के दौरान ईसाई एकता के लिए बहुत कोशिश में साथ दिया ।मैं सभी का आभारी हूं।

इस मौके पर सभी धार्मिक और समाजसेवियों ने फादर जोश को सम्मानित किया। इससे पहले डॉ. राकेश विलियम ने सभी धार्मिक और समाजसेवियों का स्वागत किया और आखिर में फादर जोश ने सभी का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि सभी ने ईसाई एकता की कोशिश का साथ दिया। मैं आभारी हूं और उम्मीद करता हूं कि यह कोशिश जारी रहेगी। इस मौके पर पहुंची हस्तियों को भी सम्मानित किया गया।

पंजाब में लावारिस कुत्तों पर विवाद तेज

रवीना टंडन ने सीएम भगवंत मान से की मानवीय समाधान की अपील

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
23 मई (एएम नाथ)

पंजाब में लावारिस कुत्तों को लेकर शुरू हुए विवाद के बीच अब अभिनेत्री रवीना टंडन भी खुलकर सामने आ गई हैं। रवीना टंडन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर मुख्यमंत्री भगवंत मान के नाम एक भावुक संदेश साझा करते हुए इस संवेदनशील मुद्दे पर मानवीय और संतुलित समाधान अपनाने की अपील की है।

अभिनेत्री ने अपने संदेश में कहा कि देशभर में सर्वोच्च अदालत के फैसले और स्ट्रे एनिमल मैनेजमेंट को लेकर चल रही चर्चाएं बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने लिखा कि सार्वजनिक सुरक्षा बेहद जरूरी है, लेकिन फैसलों की व्याख्या और उनका पालन इंसानियत और संतुलन के साथ होना चाहिए।

रवीना टंडन ने कहा नसबंदी, टीकाकरण, उचित शेल्टर होम और व्यवस्थित पुनर्वास जैसी व्यवस्थाएं नागरिकों और जानवरों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती हैं। यदि सरकार, पशु कल्याण संगठनों और विशेषज्ञों का सहयोग मिले तो पंजाब इस संवेदनशील मुद्दे को जिम्मेदारी और दया के साथ संभालने की मिसाल बन सकता है।

बेजुबानों के साथ अच्छे व्यवहार की कही बात : अभिनेत्री ने अपने संदेश में यह भी कहा कि समाज की असली पहचान इस बात से होती है कि वह बेजुबानों के साथ कैसा व्यवहार करता है। उनके इस संदेश के बाद सोशल मीडिया पर बहस और तेज हो गई है। बड़ी संख्या में लोग उनके समर्थन में प्रतिक्रिया दे रहे हैं, जबकि कुछ लोग सार्वजनिक सुरक्षा को प्राथमिकता देने की बात भी कह रहे हैं।

दरअसल, मुख्यमंत्री भगवंत मान की ओर से लावारिस कुत्तों को लेकर की गई पोस्ट के बाद पंजाब में यह मुद्दा लगातार चर्चा में बना हुआ है। पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री, सामाजिक संगठनों और कई राजनीतिक नेताओं ने भी इस मामले में अपनी प्रतिक्रिया दी है।

कई बड़े चेहरे दे चुके प्रतिक्रिया

इससे पहले अभिनेता सोनू सूद, अभिनेत्री सोनम बाजवा, गायिका रुपिंदर हांडा और पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू भी स्ट्रे डॉग्स को न मारने की अपील कर चुके हैं। अब रवीना टंडन के बयान के बाद यह मुद्दा और अधिक सुर्खियों में आ गया है।

पशु प्रेमी संगठनों का कहना है कि सरकार को स्थायी और मानवीय समाधान की दिशा में काम करना चाहिए ताकि लोगों की सुरक्षा के साथ-साथ बेजुबान जानवरों की जिंदगी भी सुरक्षित रह सके।

भारत विकास परिषद गुरदासपुर द्वारा एनीमिया मुक्ति और गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन

-शहीद भगत सिंह सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, काला नंगल में 50 छात्राओं के हुए हीमोग्लोबिन व ब्लड ग्रुप टेस्ट

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
23 मई (संदीप सन्नी)

भारत विकास परिषद सिटी शाखा गुरदासपुर श्रीमती गजेंद्र कोंडल एनीमिया मुक्त भारत अभियान गुरदासपुर के अंतर्गत शहीद भगत सिंह सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, काला नंगल में एक विशेष कैंप का आयोजन किया गया। यह कैंप शाखा अध्यक्ष रमेश मल्होत्रा की अध्यक्षता में लगाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा भारत माता के चित्र के समक्ष ज्योति प्रज्वलन और वंदे मातरम के सामूहिक गायन के साथ हुआ।

इस अवसर पर रिटायर्ड वेटरिनरी ऑफिसर सुखविंदर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं, स्कूल के ऑफिशिएटिंग प्रिंसिपल सरदार जोत सिंह और पंचायत मेंबर सर्वजीत सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

50 छात्राओं की हुई क्लिनिकल जांच-
कैंप के दौरान स्कूल की 50 छात्राओं के ब्लड सैंपल लिए गए, जिनका हीमोग्लोबिन और ब्लड ग्रुप टेस्ट किया जाएगा। ये सभी टेस्ट बीबी चैरिटेबल वेलफेयर सोसाइटी की क्लिनिकल लैबोरेट्री टीम के इंचार्ज श्री शिव गौतम की देखरेख में पूरी सटीकता के साथ किए गए। मुख्य अतिथि सुखविंदर सिंह ने एनीमिया के खतरों और इसके निवारण पर प्रकाश डालते हुए भारत विकास परिषद के इस प्रयास की भरपूर सराहना की। विशिष्ट अतिथियों ने भी परिषद द्वारा किए जा रहे समाज व राष्ट्र सेवा के कार्यों को अनुकरणीय बताया। स्कूल के प्रिंसिपल सरदार जोत सिंह ने परिषद की पूरी टीम का आभार व्यक्त किया।

समाज सेवा में अग्रणी है बीबी चैरिटेबल वेलफेयर सोसाइटी : समिति के वित्त सचिव बी.बी. गुप्ता ने बीबी चैरिटेबल वेलफेयर सोसाइटी गुरदासपुर के कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस सोसाइटी की शुरुआत वर्ष 2015-16 में सुनील महाजन और शिव गौतम के प्रयासों से हुई थी। आज यह संस्था इलाके के लोगों के लिए कंप्यूटर सेंटर, फिजियोथैरेपी सेंटर, वस्त्र बैंक, आधुनिक लैबोरेट्री और एम्बुलेंस सेवा जैसे कई प्रकल्प समर्पित कार्यकर्ताओं के सहयोग से सफलता पूर्वक चला रही है।

कार्यक्रम के दौरान स्कूल की अध्यापिका और चार छात्राओं ने भी एनीमिया विषय पर अपने प्रभावशाली विचार व भाषण प्रस्तुत किए।

गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम का भी हुआ आयोजन : इसी कड़ी में स्कूल परिसर के भीतर ही परिषद द्वारा गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसके प्रकल्प प्रमुख रिटायर्ड लेक्चरर रमेश मोहन रहे। इस दौरान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 5 अध्यापकों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया और बच्चों को उज्जवल भविष्य का आशीर्वाद दिया गया।

इससे पहले कार्यक्रम के आरंभ में अध्यक्ष रमेश मल्होत्रा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और सहयोग के लिए स्कूल स्टाफ व विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। मंच का कुशल संचालन शाखा सचिव विकास सिंगरी ने किया। कार्यक्रम के अंत में रिटायर्ड प्रिंसिपल सरदार सतवंत सिंह ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस मौके पर उपाध्यक्ष बलविंदर डोगरा, कोषाध्यक्ष विजय शर्मा, कैप्टन श्याम लाल, राजीव कुमार, सतविंदर कौर सहित स्कूल का स्टाफ और भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान जन गण मन के साथ ससम्मान किया गया।

मुख्यमंत्री की 'चिट्टा मुक्त हिमाचल' मुहिम से जुड़े प्रदेश के 2.34 लाख लोग

» प्रथम न्यूज । शिमला
23 मई (बी.शर्मा)

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू की 'चिट्टा मुक्त हिमाचल' मुहिम को प्रदेशभर में व्यापक जन समर्थन मिल रहा है। राज्य में अब तक 2.34 लाख लोग इस अभियान से जुड़ चुके हैं। पंचायती राज विभाग द्वारा इन लोगों को नशीले एवं मादक पदार्थों के दुरुपयोग की रोकथाम, आपदा प्रबंधन तथा सामाजिक जागरूकता जैसे विषयों पर विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया है ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों में इन चुनौतियों का प्रभावी ढंग से मुकाबला कर सकें।

प्रदेश सरकार के सतत् प्रयासों और जनसहभागिता के कारण अब समाज के विभिन्न वर्ग इस मुहिम का सक्रिय हिस्सा बन रहे हैं। लोगों में नशे के खिलाफ जागरूकता बढ़ी है तथा युवाओं को चिट्टे जैसी घातक प्रवृत्तियों से बचाने के लिए सामूहिक प्रयास तेज हुए हैं।

राज्य के 2.34 लाख लोग प्रदेश सरकार की आंख और कान बनकर नशे का कारोबार करने वालों की सूचना समय पर पुलिस तक पहुंचा रहे हैं ताकि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। इसके अलावा ये लोग चिट्टे के दुष्प्रभावों के बारे में युवाओं और समाज को जागरूक करने में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

प्रदेश को चिट्टा मुक्त बनाने के अभियान की सफलता के लिए एक व्यापक योजना तैयार कर उसे प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। प्रदेश के युवाओं को नशे की दलदल में जाने से रोकने के लिए पंचायती राज और पुलिस विभाग को विशेष निर्देश जारी किए गए थे। इसके तहत पंचायत स्तर पर चिट्टे का सेवन करने वालों तथा नशा तस्करों की पहचान सुनिश्चित की गई।

हिमाचल देश का पहला राज्य बना है, जहां पंचायत स्तर पर चिट्टा प्रभावित क्षेत्रों का वैज्ञानिक आधार पर वर्गीकरण किया गया। सर्वेक्षण के आधार पर प्रदेश की पंचायतों को रेड, येलो और ग्रीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है। इनमें 234 पंचायतों को रेड श्रेणी में रखा गया है जहां चिट्टे का प्रभाव सबसे अधिक पाया गया। इन पंचायतों में नशे के प्रभाव को कम करने के लिए विशेष अभियान चलाए गए हैं। स्थानीय लोगों की सक्रिय भागीदारी, पंचायत प्रतिनिधियों के सहयोग और पुलिस की निगरानी के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं।

सरकार ने पंचायत स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम, संवाद अभियान, युवा सहभागिता गतिविधियों तथा सामुदायिक निगरानी तंत्र को मजबूत करने के प्रयास किए हैं। अभियान का उद्देश्य केवल नशा तस्करी पर रोक लगाना ही नहीं, बल्कि युवाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान कर सुरक्षित और स्वस्थ समाज का निर्माण करना भी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार 'चिट्टा मुक्त हिमाचल' के संकल्प को जन-आंदोलन का स्वरूप देने के लिए प्रतिबद्ध है और समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी से इस चुनौती का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। राज्य सरकार जहां अपराधियों पर कानून का शिकंजा कस रही है वहीं नशे से प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए भी प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं।

300 यूनिट मुफ्त बिजली का वादा करने वाली कांग्रेस अब जनता को दे रही महंगे बिलों का झटका : कर्ण नंदा

» प्रथम न्यूज । शिमला
23 मई (बी.शर्मा)

भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक कर्ण नंदा ने आज आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान कांग्रेस सरकार लगातार जनविरोधी निर्णय लेकर हिमाचल प्रदेश की जनता पर आर्थिक बोझ डालने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बिजली बिलों में लगातार बढ़ोतरी कर प्रदेश की आम जनता को झटके दिए जा रहे हैं और भारतीय जनता पार्टी लगातार सड़कों से लेकर विधानसभा तक इसका विरोध करती रही है।

कर्ण नंदा ने कहा कि कांग्रेस सरकार सत्ता में आने से पहले 10 गारंटियों के साथ प्रदेश की जनता के बीच गई थी और 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा किया था। जबकि पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने का कार्य कर रही थी। आज कांग्रेस की वह गारंटी पूरी तरह गायब हो चुकी है और लोगों को मुफ्त बिजली तो दूर, भारी-भरकम बिजली बिल भरने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सितंबर 2023 में बड़े उद्योगों पर बिजली ड्यूटी 11 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर दी और जनवरी 2024 में इसे और बढ़ाकर 37.5 प्रतिशत तक पहुंचा दिया। इसके बाद वर्ष 2026 में व्यवसायिक उपभोक्ताओं पर ?1 प्रति यूनिट अतिरिक्त बिजली सेस लगाया गया, जिससे होटल, मॉल, निजी अस्पताल, पेट्रोल पंप, कोचिंग सेंटर और अन्य व्यापारिक संस्थानों पर अतिरिक्त बोझ पड़ा है। कर्ण नंदा ने कहा कि सरकार आत्मनिर्भर हिमाचल के नाम पर केवल जनता की जेब काटने का कार्य कर रही है।

पहले 0 से 125 यूनिट तक बिजली मुफ्त मिलती थी, लेकिन अब उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 5.44 रुपये तक भुगतान करना पड़ रहा है और न्यूनतम बिजली बिल ?750 तक पहुंच चुका है। इसी प्रकार 126 से 300 यूनिट तक बिजली दरें 5.89 रुपये प्रति यूनिट हो गई हैं, जिससे आम उपभोक्ताओं के बिजली बिल हजारों रुपये तक पहुंच रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सबसे अधिक प्रभावित किराएदार, विद्यार्थी, मजदूर, नौकरीपेशा और आउटसोर्स कर्मचारियों का वर्ग हुआ है। कांग्रेस सरकार ने दो मीटर से अधिक वाले घरों की सब्सिडी बंद कर गरीब और मध्यम वर्ग पर सीधा आर्थिक हमला किया है। उन्होंने कहा कि जो विद्यार्थी और नौकरीपेशा लोग किराए के कमरों और पीजी में रहकर जीवनयापन कर रहे हैं, उन्हें भी अब बिना सब्सिडी के भारी बिजली बिल भरने पड़ रहे हैं। भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार केंद्र सरकार से मिले विकासात्मक फंड का भी दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा हिमाचल प्रदेश को 'प्राइड ऑफ हिल्स' योजना के तहत हजारों करोड़ रुपये की सहायता दी गई है, लेकिन राज्य सरकार उस धन का उपयोग विकास के बजाय अपनी विफल गारंटियों को पूरा करने के लिए कर रही है।

कर्ण नंदा ने कहा कि कांग्रेस सरकार हिमाचल प्रदेश को देश का सबसे महंगा प्रदेश बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। भाजपा जनता के हितों की रक्षा के लिए इस जनविरोधी नीति का लगातार विरोध करती रहेगी और सरकार से मांग करती है कि बिजली दरों में की गई बढ़ोतरी और सब्सिडी समाप्त करने के फैसलों को तुरंत वापस लिया जाए।

जिला परिषद उमीदवारों का जिला स्तर पर घोषित होगा अंतिम चुनाव परिणाम : उपायुक्त मुकेश रेपसवाल

चंबा (एएम नाथ)- उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला चम्बा में हिमाचल प्रदेश पंचायती राज सामान्य निर्वाचन-2026 के तहत जारी कार्यक्रम के अनुसार 26, 28 तथा 30 मई को तीन चरणों में मतदान संपन्न करवाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि मतदान प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत वार्ड सदस्य, उप प्रधान व प्रधान के मतपत्रों की गणना मतदान के पश्चात उसी दिन संबंधित पंचायत में होगी और परिणाम घोषित किया जायेगा।

इसी तरह जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के मतपत्रों की गणना 31 मई को उपमंडल एवं खंड स्तर पर की जाएगी। उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (निर्वाचन) नियम, 1994 के नियम 75(1i) के तहत निर्धारित प्रावधानों के अनुसार जिला परिषद सदस्य के लिए मतगणना उपरांत परिणाम पत्र तैयार किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि जिला परिषद सदस्य के मतपत्र लेखा तथा प्रपत्र-38 भाग-1 को मोहरबंद लिफाफे में 31 मई को जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) कार्यालय चंबा में समय पर प्रेषित किया जायेगा ओर जिला स्तर पर परिणामों का संकलन कर उपायुक्त व जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा अंतिम परिणाम घोषित किया जायेगा।

नाबार्ड तक पहुंची जोगिंद्रा बैंक की शिकायत

अधिवक्ता मुकेश शर्मा ने खोला कथित भ्रष्टाचार का मोर्चा, जोगिंद्रा बैंक में करोड़ों के कथित एनपीए घोटाले का आरोप, अधिकारियों पर मिलीभगत के गंभीर आरोप

» प्रथम न्यूज । सोलन/शिमला
23 मई (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश के सहकारी बैंकिंग क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई जब जोगिंद्रा सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के खिलाफ करोड़ों रुपये के कथित एनपीए घोटाले, वित्तीय अनियमितताओं, ऑडिट रिपोर्टों में हेरफेर और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप सामने आए। मामले को लेकर अधिवक्ता मुकेश कुमार शर्मा लगातार मुखर हैं और उन्होंने बैंक प्रबंधन सहित संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली पर कई बड़े सवाल उठाए हैं।

जानकारी के अनुसार अधिवक्ता मुकेश कुमार शर्मा ने 30 अप्रैल 2026 को नाबार्ड के मुख्य सतर्कता अधिकारी (CVO), मुंबई को

विस्तृत शिकायत भेजी थी। शिकायत में बैंक के कई अधिकारियों पर कथित धोखाधड़ी, आपराधिक षड्यंत्र, वित्तीय गड़बड़ियों तथा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की ऑडिट रिपोर्टों में हेरफेर जैसे गंभीर आरोप लगाए गए। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया कि शाखा रामशहर में 22 लाख रुपये की सब्सिडी लाभ लेने के उद्देश्य से लगभग 80 लाख रुपये के ऋण कथित रूप से अनियमित तरीके से वितरित किए गए। बताया जा रहा है कि नाबार्ड ने 19 मई 2026 को इस शिकायत को आगे की कार्रवाई के लिए हिमाचल प्रदेश के रजिस्ट्रार कोऑपरेटिव सोसायटीज को भेज दिया है। अपनी नवीनतम प्रतिनिधित्व याचिका में अधिवक्ता शर्मा ने आरोप लगाया है कि बैंक अधिकारी गुरमीत सिंह, जो वर्तमान में हेड ऑफिस सोलन में तैनात हैं, ने नालागढ़ के पुराना बाजार शाखा प्रबंधक रहते हुए Joint Liability Group (JLG) के तहत लाखों रुपये के ऋण कथित रूप से बैंक नियमों और RBI दिशानिर्देशों की अनदेखी कर स्वीकृत किए। शिकायत के अनुसार कई ऋण खातों में आवश्यक दस्तावेजी सत्यापन और सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया, जिसके चलते करीब 7 लाख रुपये से अधिक की राशि असुरक्षित और एनपीए श्रेणी में पहुंच गई।

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि बैंक प्रबंधन ने कथित घोटालों और बढ़ते एनपीए मामलों को दबाने के लिए गुरमीत सिंह को हेड ऑफिस में रिकवरी एवं लॉ सेक्शन का प्रभारी बनाया। दावा किया गया है कि 100 करोड़ रुपये से अधिक के एनपीए खातों से संबंधित मामलों में फाइलों में हेरफेर, वसूली प्रक्रिया को प्रभावित करने तथा जिम्मेदार अधिकारियों को बचाने का प्रयास किया गया। मामले में AGM राम पॉल, कुलदीप सिंह, हरीश शर्मा, शाखा प्रबंधक जगदीप शर्मा, उम राज ठाकुर, नीना शर्मा, दीपक सूद और प्रबंध निदेशक पंकज सूद (HAS) सहित कई अधिकारियों के नाम भी सामने आए हैं। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि अधिकारियों के एक संगठित नेटवर्क ने बैंकिंग प्रणाली का दुरुपयोग करते हुए ऑडिट रिपोर्टों को प्रभावित किया और वास्तविक वित्तीय स्थिति छिपाने का प्रयास किया। अधिवक्ता मुकेश कुमार शर्मा ने मामले की उच्च स्तरीय विजिलेंस जांच, स्वतंत्र फोरेंसिक ऑडिट तथा दोषी अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग की है। अब निगाहें नाबार्ड और रजिस्ट्रार कोऑपरेटिव सोसायटीज हिमाचल प्रदेश पर टिकी हैं कि इस संवेदनशील मामले में आगे क्या कार्रवाई होती है।

लोकतंत्र के महापर्व में 201283 महिला मतदाता निभाएंगी भागीदारी : उपायुक्त मुकेश रेपसवाल

» प्रथम न्यूज । चंबा
23 मई (एएम नाथ)

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) मुकेश रेपसवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि पंचायती राज सामान्य निर्वाचन-2026 के अंतर्गत जिला चंबा में कुल 201283 महिलाएं मतदाता सूची में शामिल हैं।

मुकेश रेपसवाल ने साथ में यह भी बताया कि जिला के 7 विकास खंडों में कुल 407853 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 206570 पुरुष मतदाता हैं।

उन्होंने खंडवार महिला मतदाताओं की जानकारी देते हुए बताया कि विकास खंड भरमौर में 16987, भटियात में 46925, चंबा में 31137, मैहला में 34489, पांगी में 7633 सलूणी में 32746 तथा तीसा विकास खंड में 31366 महिलाएं मतदाता सूची में दर्ज हैं। उपायुक्त ने बताया

कि विकास खंड भरमौर में कुल 36183 मतदाताओं में 19196 पुरुष मतदाता पंजीकृत हैं। इसी प्रकार विकास खंड भटियात में कुल 94111 मतदाताओं में 47186 पुरुष, चंबा में कुल 62594 मतदाताओं में 31457 पुरुष, मैहला में कुल 70040 मतदाताओं में 35551 पुरुष, पांगी में कुल 15756 मतदाताओं में 8123 पुरुष, सलूणी में कुल 65502 मतदाताओं में 32756 पुरुष तथा तीसा विकास खंड में कुल 63667 मतदाताओं में 32301 पुरुष मतदाता सूची में पंजीकृत हैं।

मुकेश रेपसवाल ने जिला की सभी महिला मतदाताओं से लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर भाग लेने तथा अपने मताधिकार का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने का आह्वान किया है।

उन्होंने महिलाओं से अपने परिवार, पड़ोस एवं अन्य लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने की अपील की है ताकि अधिक से अधिक लोगों की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सहभागिता सुनिश्चित हो सके।

आचार संहिता उल्लंघन को लेकर भाजपा का प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग से मिला

मंत्रिमंडल बैठक में जनहित योजनाओं और घोषणाओं को लेकर दर्ज कराई शिकायत

» प्रथम न्यूज । शिमला
23 मई (बी.शर्मा)

भारतीय जनता पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल भाजपा प्रदेश चुनाव प्रकोष्ठ संयोजक जे.सी. शर्मा के नेतृत्व में आज राज्य चुनाव आयोग से मिला और प्रदेश सरकार द्वारा कल आयोजित मंत्रिमंडल बैठक को लेकर शिकायत दर्ज करवाई। भाजपा जिला अध्यक्ष केशव चौहान भी इस प्रतिनिधिमंडल में उपस्थित रहे।

जेसी शर्मा ने चुनाव आयोग को सौंपे गए ज्ञापन में आरोप लगाया कि पंचायती राज चुनावों के लिए आचार संहिता लागू होने के बावजूद राज्य सरकार ने 22 मई को मंत्रिमंडल बैठक आयोजित कर भर्ती, वित्तीय लाभ, वेतन वृद्धि, पेंशन और जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े निर्णय लिए, जो सीधे तौर पर चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले हैं।

शर्मा ने कहा कि सरकार द्वारा इस प्रकार की घोषणाएं और निर्णय चुनावों को प्रभावित करने का प्रयास हैं तथा यह आदर्श चुनाव आचार संहिता की भावना के विपरीत है। प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से मामले का तत्काल संज्ञान लेने, सरकार द्वारा घोषित निर्णयों और अधिसूचनाओं को चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक स्थगित करने तथा आचार संहिता उल्लंघन पर उचित कार्रवाई करने की मांग की।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी पंचायत चुनाव सुनिश्चित करना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है और आयोग को इस मामले में सख्त कदम उठाने चाहिए।

ग्रामीण क्षेत्रों को वोट बैंक समझने वालों को जनता दे रही जवाब : जीतराम कटवाल

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
23 मई (जितेंद्र गौतम)

झंडूता के विधायक जीतराम कटवाल ने कहा कि कांग्रेस समेत कई राजनीतिक दलों ने ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों को केवल वोट बैंक के रूप में प्रयोग किया। चुनावों के समय कई तरह के सब्जबाग दिखाकर इन क्षेत्रों के लोगों के वोट लिए जाते रहे, लेकिन मतलब निकल जाने के बाद उनकी ओर से आंखें फेरी जाती रहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को धरातल पर उतारते हुए विकास की गंगा हर गांव तक पहुंचाई है। यही वजह है कि स्वार्थ की राजनीति करने वाले दलों और नेताओं को चुनावों में करारी हार मिल रही है।

शनिवार को जीतराम कटवाल ने जिला परिषद के जांगला वार्ड से भाजपा समर्थित उम्मीदवार अनूप महाजन के समर्थन में डमली, बड़ोल देवी और बैहनाजट्टां पंचायतों में नुक्कड़ सभाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। गांव, गरीब, किसान, युवा और मातृशक्ति इस संकल्प में सबसे बड़ी प्राथमिकता हैं। मोदी सरकार ने विकास का रुख और बजट का मुख केवल शहरों तक सीमित रखने के बजाए उसे ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों की ओर मोड़ा है। इससे गांव स्तर पर सड़कों का जाल बिछ रहा है। पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंच रही हैं। जिन क्षेत्रों को कभी उपेक्षित माना जाता था, अब उनमें विकास के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। जीतराम कटवाल ने कहा कि पंचायती राज चुनाव केवल प्रतिनिधि चुनने का नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र के भविष्य को उज्ज्वल बनाने का अवसर हैं। भाजपा का उद्देश्य केवल भवन या सड़कें बनाना नहीं, बल्कि समाज को मजबूत बनाना है। खेलों से जुड़े युवा ही स्वस्थ और जागरूक राष्ट्र के निर्माण में सहभागी बनते हैं। वर्तमान में सबसे बड़ी चुनौती युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से बचाने की है। मोदी सरकार युवाओं को खेल, शिक्षा और सकारात्मक ऊर्जा से जोड़ने के लिए लगातार काम कर रही है। खेल मैदानों के निर्माण और खेलकूद प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे नशे व अन्य बुराइयों से दूर रहकर अपने और माता-पिता के सपनों को साकार करें। यह विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत भी होगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि अनूप महाजन के नेतृत्व में जांगला वार्ड विकास की नई ऊंचाइयां छुएगा। हर पंचायत में समान विकास सुनिश्चित किया जाएगा।

संक्षिप्त न्यूज

कुल्लू में हनीट्रैप का शिकार हुआ शख्स

महिला ने साथियों संग मिलकर लूटे 8 लाख

कुल्लू (ब्यूरो)- हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में हनीट्रैप और ब्लैकमेलिंग का एक मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने अपने साथियों के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से एक व्यक्ति को अपने जाल में फंसाया और झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर उससे करीब 8 लाख रुपए ऐंठ लिए। पीड़ित की शिकायत पर भुंतर पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार कुल्लू जिले के भल्याणी डाकघर के अंतर्गत मढ़घन गांव के रहने वाले गोविंद सिंह ने बताया कि बीती 17 अप्रैल को उसके मोबाइल पर एक अज्ञात महिला की कॉल आई थी। महिला ने उसे अपनी बातों में उलझाया और मिलने के बहाने भुंतर स्थित अपने कमरे पर बुलाया। जब गोविंद भुंतर पहुंचा, तो वह महिला उसे आधे रास्ते में खुद रिसीव करने आई।

शिकायतकर्ता ने बताया कि जब महिला उसे अपने कमरे में ले गई, तो वहां पहले से एक अन्य महिला मौजूद थी, जो थोड़ी देर बाद बाहर निकल गई। इसके बाद उस महिला ने कमरे की कुंडी अंदर से बंद कर ली। कुछ ही देर में वहां महिला का कथित पति और वह दूसरी महिला (जो बाहर गई थी) वापस कमरे में आ गए। इन लोगों ने मिलकर गोविंद को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया और थाने में झूठे केस में फंसाने की धमकी दी।

झूठे केस और बदनामी के डर से घबराए गोविंद ने उन लोगों को 50,000 रुपए नकद दे दिए। इसके बावजूद आरोपियों का लालच कम नहीं हुआ और उसे डरा-धमकाकर पीड़ित का एटीएम कार्ड भी अपने कब्जे में ले लिया।

फर्जी डिग्री रैकेट मामले में बद्दी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

एक और आरोपी गिरफ्तार

बद्दी (तारा)- पुलिस थाना बरोटीवाला में एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कुछ व्यक्तियों द्वारा फर्जी शैक्षणिक डिग्रियां एवं प्रमाण पत्र तैयार कर युवाओं को उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। शिकायत के आधार पर थाना बरोटीवाला में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस द्वारा लगातार तकनीकी जांच, दस्तावेजों की पड़ताल एवं संदिग्ध व्यक्तियों पर निगरानी रखी जा रही थी। इसी क्रम में पुलिस टीम द्वारा एक आरोपी अनूप कुमार पुत्र श्री रमेश सिंह निवासी गांव माऊ चिराग, तहसील सिकंदराराऊ, जिला हाथरस, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया गया। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे 4 दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। उल्लेखनीय है कि इस मामले में पूर्व में एक आरोपी सौरव कुमार पुत्र श्री धर्मपाल निवासी जिला हाथरस, उत्तर प्रदेश को भी गिरफ्तार किया जा चुका है, जो वर्तमान में 14 दिन के न्यायिक रिमांड पर है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि आरोपियों द्वारा संगठित तरीके से युवाओं को फर्जी डिग्रियां एवं शैक्षणिक प्रमाण पत्र उपलब्ध करवाए जा रहे थे। मामले में अन्य संदिग्ध व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है तथा आगामी कानूनी कार्रवाई जारी है।

बामटा पंचायत मामले में निर्वाचन आयोग ने गुम हुए मतपत्रों को तत्काल प्रभाव से किया अमान्य घोषित

बिलासपुर,(जितेंद्र गौतम/धर्मपाल)- जिला बिलासपुर की ग्राम पंचायत बामटा में पंचायत चुनाव प्रक्रिया के दौरान प्रधान पद से संबंधित 50 मतपत्र गुम होने का मामला सामने आने के बाद राज्य निर्वाचन आयोग ने संबंधित मतपत्रों को तत्काल प्रभाव से निरस्त एवं अमान्य घोषित कर दिया है। आयोग ने संभावित दुरुपयोग की आशंका को देखते हुए यह कार्रवाई की है। यह आदेश राज्य निर्वाचन आयुक्त अनिल कुमार खाची की ओर से जारी किया गया है।

इस बारे जानकारी देते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने बताया कि ग्राम पंचायत बामटा के वार्ड नंबर 01 जंगल सुंगल में प्रधान पद के लिए चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों के नाम मतपत्रों पर अंकित किए जाने की प्रक्रिया के दौरान मतपत्र क्रमांक 58001 से 58050 तक लापता पाए गए। इस संबंध में राज्य निर्वाचन आयोग को विस्तृत रिपोर्ट भेजी गई थी।

उपायुक्त ने बताया कि यह प्रक्रिया सहायक रिटर्निंग अधिकारी के रूप में कार्यरत डॉ. दिनेश कुमार, सहायक प्राध्यापक, राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर की निगरानी में संपन्न की जा रही थी। मामले के सामने आने के बाद रिटर्निंग अधिकारी एवं खंड विकास अधिकारी, विकासखंड बिलासपुर सदर द्वारा प्राथमिकी दर्ज करवाई गई है तथा पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

राज्य निर्वाचन आयोग ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि गुम हुए मतपत्रों के किसी भी संभावित दुरुपयोग को रोकने के उद्देश्य से भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243 के तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 160 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इन मतपत्रों को अमान्य घोषित किया गया है।

आयोग ने निर्देश जारी करते हुए कहा है कि यदि उक्त मतपत्र राज्य में कहीं भी प्राप्त होते हैं अथवा किसी मतपेटी में पाए जाते हैं तो इसकी सूचना तत्काल राज्य निर्वाचन आयोग को दी जाए ताकि आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके

संक्षिप्त न्यूज

हरियाणा में अब बनेंगे PPP स्मार्ट कार्ड

आधार की तर्ज पर मिलेगी सुविधा

चंडीगढ़ (ब्यूरो)– हरियाणा सरकार ने परिवार पहचान पत्र (PPP) व्यवस्था को और आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। अब राज्य में आधार कार्ड की तर्ज पर पीपीपी स्मार्ट कार्ड तैयार किए जाएंगे, जिनमें नागरिकों से जुड़ा जरूरी डिजिटल डाटा उपलब्ध होगा।

सरकार के अनुसार यह स्मार्ट कार्ड भविष्य में सरकारी योजनाओं और सेवाओं तक पहुंच का एकल माध्यम बनेगा। कार्ड में क्यूआर कोड आधारित त्वरित प्रमाणीकरण सुविधा दी जाएगी, जिसके जरिए विभिन्न सरकारी विभागों में नागरिकों की पहचान और सत्यापन आसानी से किया जा सकेगा।

नई व्यवस्था लागू होने के बाद लोगों को बार-बार कागजी दस्तावेज दिखाने और मैनुअल रिकॉर्ड खोजने की जरूरत काफी हद तक कम हो जाएगी। इससे सरकारी सेवाओं की प्रक्रिया तेज और पारदर्शी बनने की उम्मीद है।

सरकार का मानना है कि डिजिटल सत्यापन प्रणाली से फर्जीवाड़े और धोखाधड़ी पर भी रोक लगेगी। साथ ही योजनाओं का लाभ सही पात्र लोगों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। राज्य सरकार इस पहल को डिजिटल गवर्नेंस और स्मार्ट प्रशासन की दिशा में अहम कदम मान रही है।

सेक्टर 41 के संपर्क केंद्र में एसी बंद, भीषण गर्मी में लोगों का बुरा हाल

पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर ने उठाए गंभीर सवाल

चंडीगढ़ (पुनीत महाजन) – सेक्टर 41 स्थित संपर्क केंद्र में एसी बंद होने के कारण आम जनता को भीषण गर्मी में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विभिन्न सरकारी कार्यों के लिए केंद्र में आने वाले नागरिक घंटों तक गर्मी और उमस के बीच इंतजार करने को मजबूर हैं। एसी व्यवस्था ठप होने से केंद्र के अंदर हालात बेहद असुविधाजनक बने हुए हैं, जिससे विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को कठिनाई झेलनी पड़ रही है।

इस मामले को गंभीरता से उठाते हुए पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि जब जनता को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाने की जिम्मेदारी प्रशासन की है, तो ऐसे महत्वपूर्ण जनसेवा केंद्र में एसी जैसी आवश्यक सुविधा का लंबे समय तक बंद रहना चिंता का विषय है।

क्षेत्रवासियों ने भी प्रशासन से मांग की है कि संपर्क केंद्र के एसी को तत्काल प्रभाव से ठीक करवाया जाए, ताकि लोगों को इस भीषण गर्मी से राहत मिल सके और वे अपने आवश्यक कार्य बिना किसी परेशानी के करवा सकें। जनता का कहना है कि जनसुविधा केंद्रों में नागरिकों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

अग्रवाल सेवा ट्रस्ट (पंचकुला) द्वारा माता मनसा देवी परिसर में ठंडे एवं मीठे पानी की छबील का आयोजन

चंडीगढ़ (पुनीत महाजन) – भीषण गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए सामाजिक एवं धार्मिक सेवा के उद्देश्य से अग्रवाल सेवा ट्रस्ट (पंचकुला) द्वारा माता मनसा देवी मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए ठंडे एवं मीठे पानी की छबील लगाई जा रही है। यह सेवा कार्य दिनांक 24 मई 2026, रविवार को प्रात: 10 बजे से माता मनसा देवी जी की इच्छा तक निरंतर जारी रहेगा।

ट्रस्ट के सदस्यों ने बताया कि गर्मी के इस मौसम में माता के दरबार में आने वाले हजारों श्रद्धालुओं को शीतल जल उपलब्ध करवाना एक पुण्य सेवा है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं एवं आमजन को ठंडा एवं मीठा पानी वितरित किया जाएगा, ताकि उन्हें राहत मिल सके।

अग्रवाल सेवा ट्रस्ट (पंचकुला) ने सभी सम्मानित सदस्यों, समाजसेवियों एवं श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे इस पुण्य कार्य में अपनी सहभागिता देकर सेवा भावना को और अधिक मजबूत करें।

स्थान : माता मनसा देवी मंदिर परिसर
तिथि : 24 मई 2026 (रविवार)
समय : प्रात: 10 बजे से

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नई दिल्ली में इंडस्ट्रीज व व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

मुख्यमंत्री ने मिडल ईस्ट संकट में इंडस्ट्रीज एसोसिएशन को दिया पूरी मदद का भरोसा

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

23 मई (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मिडल ईस्ट में आए संकट का इंडस्ट्री विशेषकर आयात निर्यात पर गहरा प्रभाव पड़ा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी भी इस विषय पर अपनी चिंता जाहिर कर चुके है। संकट की इस घड़ी में हरियाणा सरकार व्यवसाईयों के साथ खड़ी है।

उन्होंने यह बात शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में एनसीआर के विभिन्न इंडस्ट्रीज व ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के दौरान कही। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह भी उपस्थित रहे।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हम ने कोरोना का कालखंड भी देखा था। जिस प्रकार आपने और हम सबने मिलकर उस संकट को पार किया, उसी तरह इस दौर से भी उबरेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी इस

बात पर गहरी चिंता जाहिर की है और उनका मानना है कि इस दौर में छोटी छोटी बातों का विशेष ध्यान रखा जाए। सरकार पहले भी और अब भी आपके साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि हरियाणा सरकार की नई उद्योग नीति को कैबिनेट की मंजूरी मिल चुकी है। आपने पहले जो भी सुझाव दिए थे उनको इस नीति में शामिल कर लिया गया है ताकि उद्योगों को प्रदेश में एक अच्छा माहौल मिले। इस दौरान बैठक में पहुंचे प्रतिनिधियों ने अपने सुझाव भी मुख्यमंत्री को दिए। मुख्यमंत्री ने सभी सुझावों को ध्यानपूर्वक सुना और कई मांगों को बैठक में ही मंजूरी प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री ने आगजनी की बढ़ती घटनाओं के संबंध में बताया कि गुरुग्राम, सोनीपत और फरीदाबाद में उच्च क्षमता के बड़े फायर टेंडर जल्द ही उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही हाई राइज बिल्डिंग्स की अंडर ग्राउंड पार्किंग में ईवी चार्ज लगाने के लिए अग्निशमन विभाग के नियमों में बदलाव किया गया है, जिसका लाभ आप सभी को मिलेगा।

एनसीआर के जिलों में कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए मेट्रो, आरआरटीएस आदि परिवहन के आधुनिक साधनों की प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने फ्रेट सब्सिडी को बढ़ाना, इंडस्ट्री के टेस्टिंग इक्विपमेंट पर भी सब्सिडी, स्वस्स्थ सेक्टर को एमओयू से होने वाले लाभ दूसरी इंडस्ट्रीज को भी मिलेंगे, साथ ही अप्रेंटिसशिप स्कीम के तहत प्रति उम्मीदवार छ माह तक 15,000 रुपए मासिक वित्तीय प्रोत्साहन, IMT एरिया में आंतरिक परिवहन के लिए इलेक्ट्रिक बस सेवा चलाई जाएंगी।

इसके अतिरिक्त प्रदूषण नियंत्रण उपकरण अर्जुन SPV पर सब्सिडी और इलेक्ट्रिक स्कूल बसों पर भी विचार किया जाएगा। मुख्यमंत्री की घोषणाओं व नई उद्योग नीति के प्रावधानों की प्रतिनिधियों ने प्रशंसा की और मुख्यमंत्री का आभार जताया।

इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डा. अमित अग्रवाल, चीफ कॉर्डिनेटर इंडस्ट्रीज सुनील शर्मा तथा हरियाणा चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स, फुटवियर, एक्सपोर्ट, एनर्जी, किराना आदि व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

पानीपत में MBBS डॉक्टर से दुष्कर्म, बचने के लिए तीसरी मंजिल से कूदी

अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर मांग रहा था 1 करोड़ रुपए

» प्रथम न्यूज । पानीपत

23 मई (ब्यूरो)

हरियाणा के पानीपत में एक MBBS डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता ने आरोपी बॉयफ्रेंड से बचने के लिए तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी, जिससे उसके शरीर में कई गंभीर फ्रैक्चर हो गए। डॉक्टर की हालत गंभीर बताई जा रही है और फिलहाल वह चलने-फिरने में असमर्थ है।

पुलिस के अनुसार, पीड़िता की आरोपी युवक से कुछ समय पहले दोस्ती हुई थी। आरोप है कि युवक ने शादी का झांसा देकर उसके साथ संबंध बनाए और इस दौरान अश्लील वीडियो भी रिकॉर्ड कर लिए। बाद में आरोपी वीडियो वायरल करने की धमकी देकर डॉक्टर पर दबाव

बनाने लगा। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने उससे 1 करोड़ रुपए की मांग की। रकम नहीं देने पर उसने वीडियो सोशल मीडिया पर डालने और परिवार को बदनाम करने की धमकी दी। लगातार मानसिक प्रताड़ना और दबाव के चलते डॉक्टर बेहद परेशान रहने लगी। घटना वाले दिन आरोपी ने उसे मिलने के लिए बुलाया था। वहां दोनों के बीच विवाद हुआ। पीड़िता ने आरोप लगाया कि युवक ने उसके साथ जबरदस्ती की कोशिश की। खुद को बचाने और आरोपी के चंगुल से निकलने के लिए उसने तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। नीचे गिरने से उसके हाथ, पैर और रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायल डॉक्टर को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने पीड़िता के बयान के आधार पर दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग, धमकी और आईटी एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी फिलहाल फरार बताया जा रहा है और उसकी तलाश में कई जगह दबिश दी जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सैक्टर 43 की V-5 सड़कों के साथ लगते फुटपाथ पर टाइल्स और करब चैनल लगाने का शुभारंभ

चंडीगढ़ (पुनीत महाजन) – विकास कार्यक्रम को निरन्तर बढ़ाते हुए वार्ड 23 के अंतर्गत सैक्टर 43 की समस्त V-5 सड़कों के साथ लगते सभी फुटपाथ पर टाइल्स, करब चैनल और कंक्रीट का कार्य शुरू किया गया जोकि बहुत वर्षों से लम्बित था और सैक्टर निवासी इसके नवनिर्माण की मांग कर रहे थे।

इस कार्य से क्षेत्र के नागरिक सड़क पर चलने की बजाय अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए आराम से फुटपाथ पर चल सकेंगे।

इस शुभ कार्य की शुरुआत मां शाकंबरी देवी के आशीर्वाद से मां के मंदिर से की गई।। इस अवसर पर पार्षद प्रेमलता, एक्सियन अंकुर बंसल, जे ई जगतार सिंह के अलावा आर डब्लू ए प्रधान विक्रम चोपड़ा, राजेश राय, लोकेश चोपड़ा, डी एस रंधावा, जसविंदर सिंह, एस पी शर्मा, शोभा,ऊषा, उमा और अन्य गणमान्य निवासी उपस्थित रहे और उन्होंने पार्षद प्रेमलता के प्रयासों के लिए धन्यवाद किया।

चंडीगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता, 20 वर्षीय युवक गिरफ्तार – 6.92 ग्राम हेरोइन और 9.89 ग्राम ICE बरामद

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

23 मई (पुनीत महाजन)

चंडीगढ़ पुलिस की जिला अपराध शाखा (District Crime Cell) ने नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई महिला वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (W/SSP) कंवरदीप कौर के निर्देशों तथा ष्ठस्क्क/ष्ठष्ट पी. अभिनंदन के मार्गदर्शन में की गई। इंस्पेक्टर चिरंजी लाल की निगरानी में पुलिस टीम ने सलमान नामक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 6.92 ग्राम हेरोइन तथा 9.89 ग्राम ICE बरामद की है।

जानकारी के अनुसार, दिनांक 23 मई 2026 को ASI सुधीर के नेतृत्व में पुलिस टीम थाना सेक्टर-39 क्षेत्र में अपराध नियंत्रण एवं गश्त ड्यूटी पर थी। इसी दौरान सेक्टर-40 की ओर मुड़ते समय शक के आधार पर एक युवक को रोका गया। पूछताछ में उसने अपना नाम सलमान पुत्र जुल्फिकार निवासी मकान नंबर 2362/3, स्मॉल फ्लैट, मलोया कॉलोनी, चंडीगढ़ बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से 6.92 ग्राम हेरोइन और 9.89 ग्राम ICE बरामद हुई।

इस संबंध में थाना सेक्टर-39, चंडीगढ़ में FIR नंबर 88 दिनांक 23.05.2026 को NDPS एक्ट की धारा 21 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी वाहन डेंटिंग-पेंटिंग का काम करता था और जल्दी पैसा कमाने के लालच में सस्ते दामों पर नशा खरीदकर चंडीगढ़ क्षेत्र में ऊंचे दामों पर बेचता था। आरोपी के खिलाफ पहले भी NDPS एक्ट के तहत कई मामले दर्ज हैं।

चंडीगढ़ पुलिस अब इस मामले में आगे और पीछे जुड़े नशा नेटवर्क की कड़ियों को खंगालने में जुटी हुई है।

एरिया पार्षद जसबीर सिंह बंटी के प्रयासों से फ्रेगरेंस गार्डन सेक्टर 36 के शौचालय का नवीनीकरण कार्य शुरू

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

23 मई (पुनीत महाजन)

सेक्टर-36 स्थित फ्रेगरेंस गार्डन में पुराने शौचालय के नवीनीकरण कार्य का शुभारंभ आज आरडब्ल्यूए प्रधान परमजीत सिंह द्वारा नारियल फोड़कर किया गया। इस अवसर पर एरिया पार्षद जसबीर सिंह बंटी, संबंधित विभाग के अधिकारी एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परमजीत सिंह ने कहा कि गार्डन में प्रतिदिन बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक, महिलाएं एवं अन्य लोग सुबह-शाम सैर करने आते हैं। शौचालय की जर्जर स्थिति और लंबे समय से लंबित मरम्मत कार्य के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। अब नवीनीकरण कार्य शुरू होने से क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत मिलेगी।

इस अवसर पर एक्सईएन अश्विनी कुमार ने बताया कि शौचालय में नया

ग्रेनाइट लगाया जाएगा तथा पेंट, पॉलिश, सैनिटरी फिटिंग्स, लैट्रिन सीटों सहित सभी आवश्यक मरम्मत कार्य करवाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कार्य को उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय में पूरा किया जाएगा ताकि लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

एरिया पार्षद जसबीर सिंह बंटी ने कहा कि क्षेत्र के विकास और लोगों की सुविधाओं को प्राथमिकता देना उनकी प्रतिबद्धता है। उन्होंने बताया कि गार्डन में आने वाले वरिष्ठ नागरिकों और अन्य लोगों की मांग पर इस कार्य को शुरू करवाया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि नवीनीकरण के बाद यह शौचालय लोगों को स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर सुविधाएं प्रदान करेगा। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने नगर निगम प्रशासन, संबंधित अधिकारियों एवं एरिया पार्षद जसबीर सिंह बंटी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित शौचालय से गार्डन में आने वाले लोगों को काफी सुविधा मिलेगी तथा स्वच्छता को भी बढ़ावा मिलेगा।

इस मौके पर एक्सईएन अश्विनी कुमार, एसडीओ गुरचरण सिंह, राजकुमार शर्मा, जसपाल सिंह, सतबीर वालिया सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

गर्मी को देखते हुए दोपहर के समय बेवजह घरों से बाहर न निकलें नागरिक : विवेक आर्य

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र

23 मई (बृज मोहन)

अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य ने कहा कि प्रदेश के साथ जिला में लगातार बढ़ रहे तापमान को देखते हुए जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है। गर्मी और लू से खुद को सुरक्षित रखने के लिए विशेष सावधानी बरते जाने की जरूरत है। इस समय लगातार बढ़ता पारा स्वास्थ्य के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है, ऐसे में जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है। अतिरिक्त उपायुक्त ने नागरिकों से अपील की है कि दोपहर के समय बेवजह घरों से बाहर न निकलें और स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूरी निष्ठा से पालन करें ताकि हीट वेव के दुष्प्रभावों से बचा जा सके।

अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य शहर में बने रैन बसेरों का निरीक्षण करने पहुंचे।

उन्होंने वहां पर गर्मी के मौसम को देखते हुए आवश्यक प्रबंधों को जांचा और नगर परिषद के अधिकारियों को कुछ आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि रैन बसेरों में आने वाले नागरिकों को मौसम के अनुसार सभी प्रकार की सुविधाएं मुहैया करवाई जाए, ताकि मौसम का किसी भी नागरिक पर होने वाले असर को रोका जा सके।

उन्होंने कहा कि प्रशासन की ओर से सलाह दी गई है कि दिन के सबसे गर्म समय यानी दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच बाहर जाने से परहेज करें। यदि बाहर जाना अनिवार्य हो, तो सिर को छातरी, टोपी या गमछे से ढक कर निकले और साथ में पानी की बोतल जरूर रखें।

खान-पान में बासी भोजन और तली-भुनी चीजों से परहेज करना चाहिए, जबकि छाछ, नींबू पानी और ओआरएस के घोल का सेवन अमृत समान है। उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में बच्चों या बुजुर्गों को बंद खड़ी गाड़ी में अकेला न छोड़े, क्योंकि इससे जानलेवा स्थिति पैदा हो सकती है।

लक्षण दिखने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर की लें सलाह

यदि किसी व्यक्ति में लू के लक्षण दिखें, तो उन्हें तुरंत छायादार और ठंडी जगह पर ले जाएं। शरीर को ठंडे पानी की पट्टियों से पोंछें और यदि व्यक्ति होश में हो, तो उसे ओआरएस का घोल या पानी पिलाएं। हालत में सुधार न होने पर बिना देरी किए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर से संपर्क करें।

डेरा मारकंडा शिव मंदिर झांसा में 25 मई से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

इस्माईलाबाद (सुनील कोमल) डेरा मारकंडा शिव मंदिर, झांसा में 25 मई से 31 मई तक श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। कथा प्रतिदिन शाम 4 बजे से 7 बजे तक आयोजित होगी। 31 मई को हवन यज्ञ एवं विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालु बड़ी संख्या में भाग लेंगे।

डेरा मारकंडा शिव मंदिर के संचालक महंत योगी श्री पाल नाथ जी ने जानकारी देते हुए बताया कि कथा आयोजन को लेकर मंदिर परिसर में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति और संस्कारों का संदेश मिलेगा तथा क्षेत्र में आध्यात्मिक वातावरण बनेगा।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गुरु गोरखनाथ धाम इस्माईलाबाद के महंत योगी श्री तेजनाथ जी महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा 12 रामतों के महंत योगी श्री कृष्ण नाथ जी महाराज तथा 18 के महंत योगी श्री समुंदर नाथ जी,बाबा जमना दास कुटिया के महंत श्री ठाकुरदास जी सहित अनेक साधु-संत कथा एवं धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेंगे।

महंत योगी श्री पाल नाथ जी ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी श्रद्धालु परिवार सहित कथा में पहुंचकर धर्म लाभ प्राप्त करें और 31 मई को आयोजित हवन यज्ञ व भंडारे में प्रसाद ग्रहण करें।

आज का

संपादकीय

सवालों के घेरे में शिक्षा और परीक्षा

पिछले दिनों मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश की परीक्षा नीट-यूजी का पेपर लीक होने की सूचना मिलते ही सरकार ने उसे रद कर दोबारा कराने का फैसला किया। इससे 22 लाख से अधिक उन छात्रों का घोर निराश होना स्वाभाविक है, जो यह परीक्षा दे चुके थे। उन्हें उसी परीक्षा की दोबारा तैयारी करने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिसे वे दे चुके थे। छात्र प्रतियोगी परीक्षा देने के बाद तनाव मुक्त होकर परिणाम की प्रतीक्षा करते हैं। इस बार उनकी प्रतीक्षा लंबी तो हो ही गई, उन्हें दोबारा परीक्षा की तैयारी भी करनी पड़ी।

किसी भी छात्र के लिए उसी परीक्षा को उसी उत्साह से देना कठिन होता है, जिसे वे दे चुके होते हैं। नीट पेपर लीक मामले से परीक्षा आयोजित कराने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए को इसलिए कठोर निंदा का सामना करना पड़ा, क्योंकि उसकी सजगता में कमी के कारण ही नीट के पेपर लीक हुए। इसके बाद भी यह अच्छा हुआ कि पूरी परीक्षा रद करने का बड़ा फैसला लिया गया, ताकि छात्रों के हितों से खिलवाड़ न होने पाए। यदि इस पेपर लीक मामले का भंडाफोड़ नहीं होता या फिर उसकी अनदेखी की जाती तो लाखों छात्रों के साथ अन्याय हो गया होता।

इस मामले में पेपर तैयार करने वाले शिक्षकों के साथ कुछ कोचिंग केंद्र वाले भी कठघरे में हैं। नीट पेपर लीक की जांच कर रही सीबीआई ने यह पाया कि इस परीक्षा के पेपर कुछ कोचिंग चलाने वालों तक पहुंच गए और फिर उन्होंने देश के कई हिस्सों में उन्हें पहुंचाया और पैसे कमाए। ऐसा लगता है कि कोचिंग माफिया शिक्षा और परीक्षा, दोनों पर हावी हो गया है। ध्यान रहे इसके पहले भी कोचिंग माफिया कई प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक करा चुका है। बीते दिनों नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्रालय की संसदीय समिति ने शिक्षा सचिव, एनटीए प्रमुख और उसके महानिदेशक सहित शिक्षा मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों को तलब किया। इस दौरान नीट रद होने के प्रकरण को राजनीतिक रंग देने की भी कोशिश की गई। इससे बात बनने वाली नहीं है। संसदीय समिति को तो यह देखना चाहिए कि भविष्य में ऐसी व्यवस्था बने, जिससे एनटीए की किसी भी परीक्षा में सेंध न लगने पाए। वैसे तो शिक्षा मंत्रालय ने एनटीए की व्यवस्था सुधारने के लिए कई कदम उठाए हैं, लेकिन उनकी गति धीमी रही।

2024 में नीट में गड़बड़ी सामने आने के बाद एनटीए के कामकाज में सुधार के लिए जिस राधाकृष्णन समिति का गठन किया गया था, उसके सभी सुझावों पर अभी तक अमल नहीं किया जा सका है। अब उन्हें लागू करने की पहल हो रही है। अच्छा हो कि परीक्षाएं आयोजित कराने वाले अन्य संस्थान भी इस समिति की सिफारिशों पर गौर करें, क्योंकि अपने देश में प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने का रिकार्ड बहुत ही शर्मनाक हो गया है। आखिर विकसित देशों में परीक्षाओं के पेपर लीक क्यों नहीं होते? क्या कारण है कि यह बीमारी भारत में ही जड़ें जमाए हुए दिखती है? हम परीक्षाओं के आयोजन में उन तौर-तरीकों का इस्तेमाल क्यों नहीं करते, जो विकसित देशों ने अपना रखे हैं?

एनटीए में सुधार को लेकर गठित राधाकृष्णन समिति ने यह सिफारिश की थी कि गड़बड़ियों से बचने के लिए प्रश्न पत्रों को फिजिकल रूप से केंद्रों तक ले जाने की प्रक्रिया को खत्म किया जाए। इसके बजाय कंप्यूटर आधारित परीक्षा कराई जाए और प्रश्न पत्र डिजिटल रूप से परीक्षा शुरू होने के ठीक पहले परीक्षा केंद्रों पर भेजे जाएं। इस समिति ने नीट को दो चरणों में आयोजित करने का सुझाव दिया था। पहला चरण स्क्रीनिंग टेस्ट का और दूसरा चरण मुख्य परीक्षा का। इस समिति ने यह पाया था कि एनटीए आउटसोर्सिंग और संविदा कर्मचारियों पर अधिक निर्भर है। इसे देखते हुए उसने सिफारिश की थी कि एनटीए में स्थायी विशेषज्ञों की भर्ती की जाए।

आज के एआई के युग में ऐसी व्यवस्था आसानी से बनाई जा सकती है कि हर विद्यार्थी को अलग प्रश्न पत्र मिले और डमी अभ्यर्थी परीक्षा में न बैठने पाएं। चूंकि आज भारत में लाखों परिवार अपने बच्चों को डाक्टर, इंजीनियर बनाना चाहते हैं, इसलिए इनकी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों की संख्या बढ़ रही है। इसका लाभ कोचिंग केंद्र उठा रहे हैं। आज हर शहर और कस्बे में कोचिंग केंद्र खुल गए हैं। वे आठवीं के बाद ही छात्रों को कोचिंग में दाखिला लेने के लिए आकर्षित करने लगे हैं। हर स्तर पर बढ़ती कोचिंग संस्कृति शिक्षा व्यवस्था पर एक गंभीर सवाल है।

आखिर क्या कारण है कि पहले किसी भी प्रतियोगी परीक्षा के लिए छात्रों को कोचिंग की जरूरत नहीं पड़ती थी, लेकिन आज स्कूली स्तर की परीक्षाओं में भी उनकी सेवाएं लेना आवश्यक सा हो गया है? आज भारत में कोचिंग केंद्रों का एक बड़ा जाल फैल गया है और इसकी काट न तो शिक्षा संस्थान कर पा रहे हैं, न सरकार और न ही समाज।

अँधेरे में बने मशाल एसडीएम जसपाल

मानवता की मिसाल

कुछ लोग पद को इंसानियत का माध्यम बना देते हैं।मानवता की मिसाल अँधेरे में बने मशाल एसडीएम जसपाल । सिरमौर के शिलाई उपमंडल के गांव आछोटी में एसडीएम जसपाल ने यही किया अँधेरे में सिमटी दो जिंदगियों के लिए उम्मीद की मशाल बन गए।मानवता के सूत्रधार बने एसडीएम जसपाल, टूटी छत के नीचे बुझती दो जिंदगियों को नई रोशनी दी टूटी छत के नीचे थमी हुई जिंदगी गांव आछोटी का एक मकान वर्षों से अपनी बदहाली पर मौन क्रंदन कर रहा है। छत टूट चुकी है, दीवारें दरक रही हैं, और फर्श पर उपेक्षा की परतें जमी हैं। इसी मकान में 42 वर्षीय दौलत राम और 37 वर्षीय उनकी बहन निशा रहती थीं। दोनों मानसिक रोग से ग्रस्त हैं। पांच वर्षों से न कोई देखभाल, न कोई सहारा। गांव वालों ने दूरी बना ली थी, रिश्तेदारों ने मुंह मोड़ लिया था। निशा बेहोशी की अवस्था में फटे कंबल में सिमटी रहतीं, और दौलत राम लकड़ी की परात में बासी रोटी के टुकड़े ढूंढते। ऊपर से टपकती छत और चारों ओर पसरा सन्नाटा मानो कह रहा था-यहां उम्मीद दम तोड़ चुकी है।जब संवेदना ने दस्तक दी एसडीएम जसपाल को सूचना मिली तो वे बिना देर किए उस घर पहुंचे। जो देखा, वह शब्दों से परे था।उन्होंने कहा, मैंने कई जांचें की हैं, कई फाइलें देखी हैं। पर यह दृश्य अलग था। यहां न कोई अपराधी था, न कोई बहाना-बस दो बेबस आत्माएं थीं, जिन्हें समय ने भुला दिया था।फौरन निर्णय, फौरन राहत ने एसडीएम तत्काल फल, दवा और भोजन की व्यवस्था करवाई। पांवटा साहिब के पत्रकार संजय कंवर के सहयोग से दोनों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। आज दौलत राम और निशा का उपचार जारी है। डॉक्टरों के अनुसार, समय पर मिली मदद से उनके स्वास्थ्य में सुधार की संभावना बढ़ गई है। निशा ने पहली बार कहा-भूख लगी है। दौलत राम ने पहली बार मुस्कुराकर जवाब दिया-अब खाना मिलेगा।समाज भी हुआ सहभागी पांच वर्षों से न कोई देखभाल, न कोई सहारा। गांव वालों ने दूरी बना ली थी, रिश्तेदारों ने मुंह मोड़ लिया था। निशा बेहोशी की अवस्था में फटे कंबल में सिमटी रहतीं, और दौलत राम लकड़ी की परात में बासी रोटी के टुकड़े ढूंढते। ऊपर से टपकती छत और चारों ओर पसरा सन्नाटा मानो कह रहा था-यहां उम्मीद दम तोड़ चुकी है।जब संवेदना ने दस्तक दी एसडीएम जसपाल को सूचना मिली तो वे बिना देर किए उस

घर पहुंचे। जो देखा, वह शब्दों से परे था।उन्होंने कहा, मैंने कई जांचें की हैं, कई फाइलें देखी हैं। पर यह दृश्य अलग था। यहां न कोई अपराधी था, न कोई बहाना-बस दो बेबस आत्माएं थीं, जिन्हें समय ने भुला दिया था।फौरन निर्णय, फौरन राहत एसडीएम ने तत्काल फल, दवा और भोजन की व्यवस्था करवाई। पांवटा साहिब के पत्रकार संजय कंवर के सहयोग से दोनों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। आज दौलत राम और निशा का उपचार जारी है। डॉक्टरों के अनुसार, समय पर मिली मदद से उनके स्वास्थ्य में सुधार की संभावना बढ़ गई है। समाज भी हुआ सहभागी की एसडीएम पहल के बाद गांव वालों ने भी हाथ बढ़ाया।मकान की छत और दीवारों की मरम्मत शुरू हो गई है। जो लोग कल तक दूरी बनाते थे, आज वही भोजन और वस्त्र लेकर पहुंच रहे हैं। जसपाल कहते हैं, मैंने केवल अपना कर्तव्य निभाया। असली रोशनी तो समाज के सहयोग से फैलती है। मैं तो बस वह मशाल बना, जो अँधेरे में रास्ता दिखा दे।मानवता की अमिट मिसाल आज आछोटी में टूटी छत के नीचे नई उम्मीद सांस ले रही है। दौलत राम और निशा को पहली बार यह अहसास हुआ है कि वे अकेले नहीं हैं। यह घटना इस बात की गवाह है कि जब प्रशासन संवेदना से जुड़ जाए, तो एक अफसर भी मानवता की मिसाल बन सकता है।और एक छोटी सी मशाल, सबसे गहरे अँधेरे को भी चीर सकती है। पांच वर्षों से न कोई देखभाल, न कोई सहारा। गांव वालों ने दूरी बना ली थी, रिश्तेदारों ने मुंह मोड़ लिया था। निशा बेहोशी की अवस्था में फटे कंबल में सिमटी रहतीं, और दौलत राम लकड़ी की परात में बासी रोटी के टुकड़े ढूंढते। ऊपर से टपकती छत और चारों ओर पसरा सन्नाटा मानो कह रहा था-यहां उम्मीद दम तोड़ चुकी है।जब संवेदना ने दस्तक दी एसडीएम जसपाल को सूचना मिली तो वे

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

बिना देर किए उस घर पहुंचे। जो देखा, वह शब्दों से परे था।उन्होंने कहा, मैंने कई जांचें की हैं, कई फाइलें देखी हैं। पर यह दृश्य अलग था। यहां न कोई अपराधी था, न कोई बहाना-बस दो बेबस आत्माएं थीं, जिन्हें समय ने भुला दिया था।फौरन निर्णय, फौरन राहत तत्काल फल, दवा और भोजन की व्यवस्था करवाई। पांवटा साहिब के पत्रकार संजय कंवर के सहयोग से दोनों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। आज दौलत राम और निशा का उपचार जारी है। डॉक्टरों के अनुसार, समय पर मिली मदद से उनके स्वास्थ्य में सुधार की संभावना बढ़ गई है। समाज भी सहभागी हुआ एसडीएम की पहल के बाद गांव वालों ने भी हाथ बढ़ाया। मकान की छत और दीवारों की मरम्मत शुरू हो गई है। जो लोग कल तक दूरी बनाते थे, आज वही भोजन और वस्त्र लेकर पहुंच रहे हैं। जसपाल कहते हैं, मैंने केवल अपना कर्तव्य निभाया। असली रोशनी तो समाज के सहयोग से फैलती है। मैं तो बस वह मशाल बना, जो अँधेरे में रास्ता दिखा दे।मानवता की अमिट मिसाल आज आछोटी में टूटी छत के नीचे नई उम्मीद सांस ले रही है। दौलत राम और निशा को पहली बार यह अहसास हुआ है कि वे अकेले नहीं हैं। यह घटना इस बात की गवाह है कि जब प्रशासन संवेदना से जुड़ जाए, तो एक अफसर भी मानवता की मिसाल बन सकता है। और एक छोटी सी मशाल, सबसे गहरे अँधेरे को भी चीर सकती है।की पहल के बाद गांव वालों ने भी हाथ बढ़ाया। मकान की छत और दीवारों की मरम्मत शुरू हो गई है। जो लोग कल तक दूरी बनाते थे, आज वही भोजन और वस्त्र लेकर पहुंच रहे हैं। जसपाल कहते हैं, मैंने केवल अपना कर्तव्य निभाया। असली रोशनी तो समाज के सहयोग से फैलती है। मैं तो बस वह मशाल बना, जो अँधेरे में रास्ता दिखा दे।मानवता की अमिट मिसालआज आछोटी में टूटी छत के नीचे नई उम्मीद सांस ले रही है। दौलत राम और निशा को पहली बार यह अहसास हुआ है कि वे अकेले नहीं हैं। यह घटना इस बात की गवाह है कि जब प्रशासन संवेदना से जुड़ जाए, तो एक अफसर भी मानवता की मिसाल बन सकता है। और एक छोटी सी मशाल, सबसे गहरे अँधेरे को भी चीर सकती है।

कॉकरोच जनता पार्टी : डिजिटल क्रांति, युवाओं का आक्रोश और राजनीति पर व्यंग्य

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है। यहाँ लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं है, बल्कि जनता की भावनाएँ, आकांक्षाएँ, असंतोष और विरोध भी इसकी आत्मा माने जाते हैं। समय-समय पर देश में अनेक प्रकार के जनआंदोलन हुए हैं, जिन्होंने समाज और राजनीति को नई दिशा देने का कार्य किया है। पहले यह विरोध सभाओं, धरनों, लेखन और जनसभाओं के माध्यम से दिखाई देता था, किंतु वर्तमान डिजिटल युग में सोशल मीडिया जनता की अभिव्यक्ति का सबसे प्रभावशाली मंच बन चुका है।

कॉकरोच जनता पार्टी कोई असली पंजीकृत राजनीतिक दल नहीं, बल्कि युवाओं द्वारा शुरू किया गया एक डिजिटल व्यंग्यात्मक आंदोलन है। इसे 16 मई 2026 को अभिजीत दिपके ने लॉन्च किया। यह आंदोलन कथित तौर पर ष्टद्दढ्ढ सूर्यकांत की उस टिप्पणी के विरोध में वायरल हुआ, जिसमें युवाओं और कार्यकर्ताओं की तुलना कॉकरोच या परजीवियों से किए जाने की बात कही गई।

सोशल मीडिया पर यह तेजी से लोकप्रिय हुआ और त्नद्दठ्ठ-ँ युवाओं ने इसे बेरोज़गारी, सिस्टम की कमियों और राजनीतिक निराशा के खिलाफ मीम और व्यंग्य के माध्यम से अपनी आवाज बना लिया। इसकी सदस्यता और नियम भी मजाकिया अंदाज़ में बनाए गए हैं। यह आंदोलन भारत ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान जैसे देशों में भी चर्चा का विषय बना।

आज एक साधारण व्यक्ति भी अपने विचार कुछ ही क्षणों में लाखों लोगों तक पहुँचा सकता है।

हाल के समय में कॉकरोच जनता पार्टी नाम से उभरी डिजिटल मुहिम इसी बदलते सामाजिक और राजनीतिक वातावरण का नया उदाहरण बनकर सामने आई है।

पहली दृष्टि में यह नाम हास्य और व्यंग्य से भरपूर प्रतीत होता है, किंतु इसके पीछे छिपी मानसिकता और सामाजिक पीड़ा कहीं अधिक गंभीर है।

यह केवल मनोरंजन अथवा इंटरनेट का क्षणिक आकर्षण नहीं, बल्कि युवाओं के भीतर बढ़ती निराशा, बेरोजगारी, व्यवस्था के प्रति असंतोष तथा राजनीति से मोहभंग की अभिव्यक्ति के रूप में देखा जा रहा है। यही कारण है कि कुछ ही समय में यह नाम सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों पर व्यापक चर्चा का विषय बन गया।

वर्तमान समय का युवा पारंपरिक राजनीतिक भाषा से अलग सोचता है। वह लंबे भाषणों और नारों की अपेक्षा छोटे वीडियो, व्यंग्य, हास्यचित्र और डिजिटल संवाद से अधिक प्रभावित होता है। आज की पीढ़ी अपनी भावनाओं को व्यंग्य और तंज के माध्यम से व्यक्त करना पसंद करती है। कॉकरोच जनता पार्टी इसी नई डिजिटल पीढ़ी की मानसिकता और आक्रोश का प्रतीक बनकर उभरी है।

कहा जाता है कि किसी विवादित टिप्पणी के पश्चात कॉकरोच शब्द अचानक चर्चा में आया। अनेक युवाओं ने इसे अपमानजनक मानते हुए उसी शब्द को अपने विरोध का प्रतीक बना लिया। यह केवल प्रतिक्रिया नहीं थी, बल्कि व्यवस्था को चुनौती देने का एक नया तरीका था। इतिहास साक्षी है कि अनेक बार जिन शब्दों का प्रयोग अपमान के लिए किया गया, वही आगे चलकर प्रतिरोध और संघर्ष की पहचान बन गए।

दरअसल, कॉकरोच जनता पार्टी का जन्म अचानक नहीं हुआ। इसके पीछे वर्षों से जमा होता असंतोष कार्य कर रहा है। देश का एक बड़ा युवा वर्ग आज बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनिश्चितता, प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं, नियुक्तियों में विलंब और अवसरों की कमी से अत्यंत परेशान है।

लाखों विद्यार्थी वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं, किंतु समय पर रोजगार प्राप्त नहीं कर पाते। कभी परीक्षाएँ रद्द हो जाती हैं, कभी परिणाम वर्षों तक लंबित रहते हैं और कभी नियुक्ति प्रक्रियाएँ न्यायालयों में उलझ जाती हैं। ऐसी परिस्थितियाँ युवाओं के भीतर गहरी निराशा और असुरक्षा उत्पन्न करती हैं।

भारत को युवा शक्ति का देश कहा जाता है।

देश की सबसे बड़ी पूँजी उसकी युवा आबादी मानी जाती है। किंतु जब यही युवा अपने भविष्य को लेकर चिंतित और असुरक्षित महसूस करने लगें, तब यह केवल सामाजिक नहीं, बल्कि राजनीतिक चिंता का विषय भी बन जाता है। कॉकरोच जनता पार्टी इसी मानसिक पीड़ा और सामाजिक असंतोष की डिजिटल अभिव्यक्ति बनकर सामने आई है।

सोशल मीडिया ने इस प्रकार की अभिव्यक्तियों को अत्यधिक शक्ति प्रदान की है। पहले किसी आंदोलन को जन-जन तक पहुँचने में वर्षों लग जाते थे, किंतु आज एक व्यंग्यचित्र, एक लघु वीडियो अथवा एक संदेश कुछ ही घंटों में करोड़ों लोगों तक पहुँच जाता है।

यही कारण है कि कॉकरोच जनता पार्टी

अत्यंत कम समय में व्यापक रूप से चर्चित हो गई। विभिन्न सामाजिक मंचों पर इससे जुड़े हास्यचित्र, लघु वीडियो और टिप्पणियाँ तीव्र गति से प्रसारित होने लगीं।

बीएस शैट्टी चेत
(शिक्षाविद्)

डिजिटल युग ने राजनीति की शैली को भी बदल दिया है। पहले राजनीति बड़े मंचों, रैलियों और सभाओं तक सीमित समझी जाती थी, किंतु आज एक साधारण व्यंग्यचित्र भी राजनीतिक विमर्श को प्रभावित कर सकता है। सोशल मीडिया ने आम नागरिक को वह शक्ति प्रदान की है, जिसके माध्यम से वह बिना किसी बड़े संगठन के भी अपनी बात देशभर में पहुँचा सकता है।

यही कारण है कि आज राजनीतिक दल भी डिजिटल प्रचार, सामाजिक मंचों और इंटरनेट अभियान का सहारा ले रहे हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी का तीव्र प्रसार यह संकेत देता है कि युवाओं का एक वर्ग पारंपरिक राजनीति से संतुष्ट नहीं है। उन्हें यह अनुभव होता है कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं सुना जा रहा। बेरोजगारी, महँगाई, शिक्षा और भ्रष्टाचार जैसे विषय सीधे उनके जीवन को प्रभावित करते हैं, किंतु राजनीतिक चर्चाओं में अनेक बार ये विषय पीछे छूट जाते हैं। ऐसे में जब कोई व्यंग्यात्मक अभियान उनकी भावनाओं को अभिव्यक्त करता है, तो वे उससे शीघ्र जुड़ जाते हैं।

हालाँकि यह भी सत्य है कि सोशल मीडिया की दुनिया अत्यंत तीव्र और अस्थायी होती है। यहाँ जो विषय आज चर्चा का केंद्र होता है, वह कल भुला भी दिया जाता है। इसलिए यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या कॉकरोच जनता पार्टी केवल एक क्षणिक डिजिटल प्रवृत्ति है अथवा यह वास्तव में किसी बड़े सामाजिक परिवर्तन की शुरुआत बन सकती है।

भारतीय राजनीति का इतिहास यह बताता है कि केवल भावनात्मक नारों और वायरल अभियानों से स्थायी आंदोलन नहीं बनते। किसी भी सामाजिक अथवा राजनीतिक आंदोलन को लंबे समय तक टिके रहने के लिए स्पष्ट विचारधारा, सशक्त संगठन, जनसंपर्क और निरंतर नेतृत्व की आवश्यकता होती है। यदि कोई अभियान केवल हास्य और व्यंग्य तक सीमित रह जाए, तो उसकी आयु प्रायः इंटरनेट प्रवृत्तियों जितनी ही होती है।

फिर भी ऐसे अभियानों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। वे समाज की मानसिक स्थिति का संकेत होते हैं। कॉकरोच जनता पार्टी यह स्पष्ट करती है कि युवाओं के भीतर व्यवस्था के प्रति गहरा असंतोष मौजूद है। यह लोकतंत्र के लिए चेतावनी भी है और अवसर भी। चेतावनी इसलिए कि यदि युवाओं का विश्वास व्यवस्था से उठने लगे, तो लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है। अवसर इसलिए कि यदि इस ऊर्जा को सही दिशा मिले, तो यह सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम भी बन सकती है।

यह आंदोलन राजनीति में व्यंग्य की बढ़ती भूमिका की ओर भी संकेत करता है। व्यंग्य सदैव से समाज और सत्ता की कमियों को उजागर करने का प्रभावी माध्यम रहा है। साहित्य, रंगमंच और पत्रकारिता में व्यंग्य का महत्वपूर्ण स्थान रहा है, किंतु अब सोशल मीडिया ने इसे और अधिक व्यापक बना दिया है। आज व्यंग्यचित्र और हास्यपूर्ण संदेश केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रतिक्रिया के प्रभावशाली साधन बन चुके हैं।

वर्तमान युवा वर्ग अपनी बात सीधे आक्रामक शब्दों में नहीं, बल्कि हास्य और तंज के माध्यम से व्यक्त करता है। यही कारण है कि कॉकरोच जनता पार्टी जैसे नाम भी लोगों का ध्यान आकर्षित करते हैं। व्यंग्य की भाषा सरल होती है, तीव्र गति से फैलती है और लोगों पर तुरंत प्रभाव छोड़ती है। किंतु इसकी अपनी सीमाएँ भी हैं। केवल व्यंग्य और कटाक्ष से समस्याओं का समाधान नहीं निकलता। अंततः किसी भी समाज को आगे बढ़ाने के लिए ठोस नीतियों, सकारात्मक चिंतन और रचनात्मक प्रयासों की आवश्यकता होती है।

आज का युवा केवल रोजगार नहीं चाहता, बल्कि सम्मान और सहभागिता भी चाहता है। वह चाहता है कि उसकी समस्याओं को गंभीरता से सुना जाए। जब उसे यह अनुभव होता है कि उसकी आवाज़ को महत्व नहीं दिया जा रहा, तब वह विरोध के नए मार्ग खोजने लगता है। कॉकरोच जनता पार्टी उसी मानसिक स्थिति का परिणाम है। यह उन युवाओं की डिजिटल आवाज़ है, जो स्वयं को व्यवस्था में उपेक्षित अनुभव करते हैं।

राजनीतिक दलों और सरकारों को यह समझना होगा कि सोशल मीडिया पर उभरने वाले ऐसे अभियान केवल मनोरंजन नहीं होते। वे समाज के भीतर बढ़ती बेचैनी और असंतोष का संकेत भी देते हैं। यदि युवाओं की समस्याओं का समाधान समय रहते नहीं किया गया, तो भविष्य में इस प्रकार के डिजिटल विरोध और अधिक व्यापक रूप धारण कर सकते हैं।

भारत में इंटरनेट और स्मार्टफ़ोन की पहुँच निरंतर बढ़ रही है। गाँवों से लेकर महानगरों तक सोशल मीडिया आज लोगों के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। पहले जनमत निर्माण की शक्ति केवल बड़े समाचार संस्थानों के पास होती थी, किंतु अब प्रत्येक नागरिक अपने विचार सार्वजनिक रूप से व्यक्त कर सकता है। यही कारण है कि डिजिटल आंदोलन आज अधिक प्रभावशाली होते जा रहे हैं।

हालाँकि सोशल मीडिया का यह प्रभाव कई बार नकारात्मक भी सिद्ध होता है। असत्य सूचनाएँ, अफवाहें और भ्रामक प्रचार भी अत्यंत तीव्र गति से फैलते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि डिजिटल अभिव्यक्ति जिम्मेदारी, संयम और तथ्यपरकता के साथ हो। लोकतंत्र में आलोचना आवश्यक है, किंतु वह सकारात्मक और रचनात्मक होनी चाहिए।

कॉकरोच जनता पार्टी का प्रकरण यह भी दर्शाता है कि भारत का युवा अब केवल दर्शक बनकर नहीं रहना चाहता।

वह व्यवस्था पर प्रश्न उठा रहा है, उत्तर माँग रहा है और अपनी नाराज़गी को नए रूपों में व्यक्त कर रहा है। यह लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत भी हो सकता है, क्योंकि जागरूक और प्रश्न पूछने वाला समाज ही सशक्त लोकतंत्र की पहचान होता है।

फिर भी यह आवश्यक है कि युवाओं का आक्रोश केवल डिजिटल प्रवृत्ति बनकर सीमित न रह जाए। यदि यही ऊर्जा शिक्षा, नवाचार, सामाजिक सुधार और लोकतांत्रिक भागीदारी की दिशा में प्रयुक्त हो, तो यह देश के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकती है। केवल हास्यचित्रों और इंटरनेट अभियानों से परिवर्तन संभव नहीं है। परिवर्तन के लिए विचार, संगठन, संघर्ष और निरंतर प्रयास आवश्यक होते हैं।

भारत का लोकतंत्र तभी सशक्त होगा जब युवा केवल असंतोष प्रकट करने तक सीमित न रहें, बल्कि समाधान का हिस्सा भी बनें। राजनीति केवल नेताओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक जागरूक नागरिक की सहभागिता से ही लोकतंत्र मजबूत होता है। युवाओं को चाहिए कि वे अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा प्रदान करें और केवल विरोध ही नहीं, बल्कि रचनात्मक विकल्प भी प्रस्तुत करें।

सच ये है कि कॉकरोच जनता पार्टी केवल एक नाम नहीं, बल्कि डिजिटल युग में उभरती उस नई राजनीतिक चेतना का प्रतीक है, जो व्यंग्य, हास्य और सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी बात कह रही है। यह अभियान चाहे लंबे समय तक टिके अथवा नहीं, किंतु इसने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत का युवा अब मौन रहने वाला नहीं है। वह अपनी पीड़ा, निराशा और असंतोष को नए माध्यमों से व्यक्त करना जानता है।

यह घटना समाज और राजनीति दोनों के लिए आत्ममंथन का अवसर है। यदि युवाओं की समस्याओं को गंभीरता से नहीं समझा गया, तो भविष्य में इस प्रकार के असंतोष और अधिक व्यापक रूप धारण कर सकते हैं। वहीं यदि सरकारें, राजनीतिक दल और समाज युवाओं की आकांक्षाओं को समझने का प्रयास करें, तो यही ऊर्जा देश के विकास की सबसे बड़ी शक्ति बन सकती है। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति जनता की आवाज़ में निहित होती है। जब युवा वर्ग बोलता है, तो वह केवल वर्तमान की पीड़ा व्यक्त नहीं करता, बल्कि भविष्य की दिशा भी निर्धारित करता है। कॉकरोच जनता पार्टी इसी बदलते भारत की एक डिजिटल कहानी है, जहाँ व्यंग्य विरोध का माध्यम बन रहा है, हास्य आंदोलन का रूप ले रहा है और सोशल मीडिया नई राजनीतिक चेतना का सबसे प्रभावशाली मंच बनता जा रहा है।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

जंगलों को आग से बचाने के लिए जन सहयोग बेहद जरूरी : राजीव कुमार

बिलासपुर, (जितेंद्र गौतम)- गर्मी के मौसम में जंगलों में आग लगने की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए बिलासपुर वन मंडल ने पूरे जिले में सतर्कता और जागरूकता अभियान तेज कर दिया है। वन मंडलाधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि वन संपदा, वन्य जीवों और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए जन सहयोग बेहद जरूरी है। उन्होंने लोगों से जंगलों को आग से बचाने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

उन्होंने कहा कि जंगलों में आग लगने से बहुमूल्य पेड़-पौधे, वन्य जीव-जंतु और प्राकृतिक संसाधनों को भारी नुकसान पहुंचता है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में पशुओं के चारे और ईंधन की समस्या भी बढ़ जाती है। आग की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए वन विभाग ने जिले में 45 फायर वॉचर्स तैनात किए हैं, जो संवेदनशील क्षेत्रों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

राजीव कुमार ने बताया कि हर बीट स्तर पर जनजागरूकता कार्यक्रम, कार्यशालाएं और रोकथाम अभियान चलाए जा रहे हैं। आग की आशंका वाले क्षेत्रों में फायर लाइनें तैयार की गई हैं और सड़कों के किनारे सूखी घास एवं पत्तियों को हटाने का कार्य जारी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि जंगल में आग लगने की सूचना तुरंत वन विभाग के टोल फ्री नंबर 1800-180-1916 पर दें।

सहायक मंदिर अधिकारी सुरम सिंह चंदेल की माता कश्मीरी देवी के निधन पर शोक की लहर

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)- उतरी भारत के प्रसिद्ध सिद्ध श्री बाबा बालकनाथ ट्रस्ट दियोटसिद्ध में कार्यरत सहायक मन्दिर अधिकारी सुरम सिंह चंदेल की माता कश्मीरी देवी 80 के आकस्मिक निधन पर हिमाचल प्रदेश के तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी, पूर्व मंत्री राजेंद्र गर्ग,पूर्व मंत्री कश्मीर सिंह ठाकुर, पूर्व विधायक सदर तिलक राज शर्मा, पूर्व विधायक मनजीत सिंह डोगरा,आयुक्त एवं अध्यक्ष अध्यक्ष गन्धर्वा राठौर,एस डी एम स्वाति डोगरा,एस डी एम राजेंद्र गौतम, मन्दिर अधिकारी सुभाष कुमार, सुभाष डटुवालिया ,एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हिमुडा संदीप चंदेल,अधीक्षक मनोज कुमार,तारा चंद पडित विपिन कुमार, अशोक कुमार, सेवा निवृत्त मुख्य पुजारी सुनील कुमार बिट्टू, प्रकाश चन्द, सुरेश कुमार,नरेश कुमार,सुरेश आचार्य,मदनलाल, प्रदीप कुमार प्रदीप मैहर, प्रतीम, परमानंद राजेंद्र कुमार, नितेश कुमार नन्हू, जोगिंदर सिंह यशपाल ,रत्न दुग्गल, गोपाल,व्यापार मंडल सहित अन्य समस्त ट्रस्ट के कर्मचारियों , अधिकारियों एवं न्यास सदस्यों ने ने सहायक मन्दिर अधिकारी की मांता के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है गौरतलब है कि स्व कश्मीरी देवी जो कि जिला बिलासपुर की भराड़ी तहसील से सम्बंध रखने वाली गांव बाग(मरहाणा) जो कि कुछ समय से अस्वस्थ चल रही थी उन्हें प्रार्थमिक उपचार के लिए डॉ राधाकृष्णन मैडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल हमीरपुर में लाया गया जहां पर चकतसिको न उनकी नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें घर भेज दिया गया जिसके चलते व अपना शारीर पंचतत्व में विलीन करके ईश्वर के परमधाम को चली गई है गौरतलब है कि वे अपने पीछे अपने सुपुत्र जगत सिंह,सुरम सिंह,व सुपुत्री प्रोमिला, रामप्यारी सहित समस्त परिवार को रोता बिलखता छोड़ कर परमधाम को चली गई है उनके इस आकस्मिक निधन पर स्व समस्त गांववासियों ने स्व कश्मीरी देवी की दिवंगत आत्मा को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शान्ति की कामना की है।

13 व 14 जून को होने वाले राधा स्वामी सत्संग ब्यास समागम को लेकर प्रशासन अलर्ट

शिमला/सोलन (बी. शर्मा)- राधा स्वामी सत्संग ब्यास (आर.एस.एस.बी.) के 13 व 14 जून 2026 को सोलन में आयोजित होने वाले सत्संग समागम के सफल आयोजन को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं आयोजन समिति के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उपायुक्त मनमोहन शर्मा ने कहा कि यह समागम पूरे क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं के साथ-साथ स्थानीय लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि समागम स्थल पर दो पैरा-मेडिकल कर्मियों सहित एक एम्बुलेंस तैनात की जाए तथा क्षेत्रीय अस्पताल में आवश्यक दवाओं और उपकरणों के साथ 3 से 4 बिस्तर आरक्षित रखे जाएं।

उन्होंने पुलिस विभाग को कानून व्यवस्था बनाए रखने और आवश्यकता अनुसार सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त करने के निर्देश दिए। वहीं विद्युत बोर्ड और जल शक्ति विभाग को नियमित बिजली एवं पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में यातायात व्यवस्था को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई। बड़ोग मार्ग से वाहनों की आवाजाही, भारी वाहनों और बसों की पार्किंग व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, सीवरेज, अग्निशमन एवं आपदा प्रबंधन जैसे विषयों पर विशेष रणनीति तैयार की गई। बैठक में कांग्रेस नेता रमेश ठाकुर, अतिरिक्त उपायुक्त राहुल जैन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्रिमंडल के निर्णय में दिखी नगर निकायों के परिणाम से बौखलाहटः जयराम ठाकुर

नेता प्रतिपक्ष बोले, आम जनता को गुमराह कर रही है प्रदेश की कांग्रेस सरकार

» प्रथम न्यूज । मंडी
23 मई (एएम नाथ)

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मंडी में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह और प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। नगर पंचायत और नगर परिषद चुनाव परिणाम में कांग्रेस की हार की बौखलाहट प्रदेश सरकार की मंत्रिमंडल में देखने को मिली है। उन्होंने कहा कि सुक्खू सरकार झूठ, छल और जनता से वसूली की राजनीति कर रही है। चुनावों के समय बड़ी-बड़ी गारंटियां देने वाली कांग्रेस अब जनता से किए गए वादों से पीछे हट चुकी है। बिजली पर वादाखिलाफी और जनता पर आर्थिक हमला जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने की गारंटी दी थी, लेकिन सत्ता में आते ही भाजपा सरकार के समय प्रदेशवासियों को दी जा रही 125 यूनिट मुफ्त बिजली सुविधा भी समाप्त कर दी। जिन परिवारों के बिजली बिल पहले शून्य आते थे, अब उन्हें कम से कम 750 रुपये तक का बिल भरना पड़ रहा है। सरकार ने पहले स्लैब आधारित सब्सिडी खत्म कर बिजली बिलों में भारी बढ़ोतरी की और अब घर से बाहर रहकर पढ़ाई तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों से भी महंगी बिजली वसूली जा रही है। इसके साथ ही होटल, निजी अस्पताल, पेट्रोल पंप, शॉपिंग मॉल और मल्टीप्लेक्स सहित कई श्रेणियों पर अतिरिक्त बिजली सेस लगाया जा रहा है।

पहले दूध सेस और पर्यावरण सेस लगाया गया और अब लगातार नए कर लगाकर जनता की जेब पर बोझ बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने मेडिकल कॉलेजों में प्रोफेसरों के कार्यकाल बढ़ाने के फैसले पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार अपनी वित्तीय देनदारियों को आगे खिसकाने का प्रयास कर रही है। सरकार रिटायर कर्मचारियों के जीपीएफ और अन्य भुगतान तक समय पर नहीं कर पा रही है। जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री पर आचार संहिता उल्लंघन के गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस इस मामले की मास्टरमाइंड रही है।

विधानसभा चुनावों से पहले महिलाओं और युवाओं से विभिन्न योजनाओं के नाम पर फॉर्म भरवाए गए, लेकिन बाद में वे फॉर्म कार्यालयों में धूल खाते रहे। लोकसभा चुनावों के दौरान भी सम्मान निधि के नाम पर चुनावी लाभ लेने का प्रयास किया गया, लेकिन प्रदेश की अधिकांश महिलाओं को उसका लाभ नहीं मिला। उन्होंने कहा कि मंडी नगर निगम चुनावों के दौरान भी मुख्यमंत्री लगातार घोषणाएं कर रहे हैं और जनता को प्रलोभन देने का प्रयास किया जा रहा है। कैबिनेट बैठकों और मीडिया के माध्यम से बड़ी-बड़ी घोषणाएं कर चुनावी माहौल प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। जयराम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री लगातार झूठ बोलकर प्रदेश की जनता को भ्रमित कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सामाजिक सुरक्षा और समाज कल्याण योजनाओं के बजट में भारी कटौती की गई है। केंद्र से मिलने वाले फंड का भी सही उपयोग नहीं हो रहा और प्रदेश पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। अंत में उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता अब सरकार की कथनी और करनी का अंतर समझ चुकी है और समय आने पर लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देगी।

प्रेस वार्ता में उनके साथ विधायक अनिल शर्मा, प्रदेश महामंत्री पायल वैद्य, भाजपा जिला अध्यक्ष निहालचंद शर्मा, मीडिया प्रभारी राकेश वालिया, जिला महामंत्री मांचली ठाकुर, वीरेंद्र भट एवं चमन कपूर उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने हिमाचल की समृद्ध बोलियों के संरक्षण पर दिया बल

राज्यपाल से वरिष्ठ लेखक डॉ. ओ.पी. शर्मा ने की भेंट

शिमला, (बी. शर्मा)- राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने आज हिमाचल की समृद्ध बोलियों और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की विभिन्न स्थानीय बोलियां यहां की पहचान, परंपराओं और लोगों की सामूहिक संस्कृति को प्रदर्शित करती है। इन बोलियों को साहित्यिक और लिखित माध्यम से संरक्षित किया जाना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियां भी अपनी सांस्कृतिक धरोहर से जुड़ी रहें।

राज्यपाल को आज लोक भवन में वरिष्ठ लेखक डॉ. ओ.पी. शर्मा ने अपनी कविता संग्रह 'म्हारी सोच' भेंट की।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि हिमाचल अपने अलौकिक प्राकृतिक सौन्दर्य के साथ-साथ लोक परंपराओं, भाषाओं और सांस्कृतिक विविधता के लिए भी जाना जाता है। उन्होंने कहा कि कांगड़ी, मंडयाली, कुल्लवी, सिरमौरी, किन्नौरी आदि बोलियां प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान हैं और इन्हें साहित्य, शोध तथा शैक्षणिक दस्तावेजों के माध्यम से बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाषाएं और बोलियां किसी भी समाज की आत्मा होती हैं। हमारी क्षेत्रीय बोलियों को लिखित रूप में सुरक्षित रखना हमारी सांस्कृतिक जड़ों को बचाने और युवाओं तक अपनी समृद्ध विरासत पहुंचाने के लिए आवश्यक है। राज्यपाल ने कहा कि साहित्यिक कृतियां सामाजिक मूल्यों और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने लेखकों और कवियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि स्थानीय परंपराओं और भाषाओं को बढ़ावा देने में साहित्यकार उल्लेखनीय भूमिका निभाते हैं। राज्यपाल ने डॉ. ओ.पी. शर्मा द्वारा हिमाचली साहित्य के प्रचार-प्रसार में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और भविष्य की साहित्यिक रचनाओं के लिए शुभकामनाएं दीं।

स्कूल वाहनों का किया जाए निरीक्षण : उपायुक्त मुकेश रेपसवाल

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित, उपायुक्त मुकेश रेपसवाल ने की अध्यक्षता

» प्रथम न्यूज । चंबा
23 मई (एएम नाथ)

उपायुक्त मुकेश रेपसवाल ने कहा कि जिले में विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं सुगम परिवहन सुविधा उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से सभी विद्यालयों से संबद्ध वाहनों तथा निजी वाहनों का संबंधित विभाग द्वारा निरीक्षण किया जाए तथा इसकी सूचना निर्धारित समयावधि में उपलब्ध करवाना सुनिश्चित बनाया जाए।

उपायुक्त आज जिला सड़क सुरक्षा समिति की राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे।

बैठक में उन्होंने सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मामलों, सड़क दुर्घटनाओं की प्रभावी रोकथाम तथा संबंधित विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की।

मुकेश रेपसवाल ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क दुर्घटनाओं से पीड़ित लोगों को प्रधानमंत्री राहत योजना के अंतर्गत निर्धारित सहायता एवं उपचार सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं।

उपायुक्त ने बैठक में जिले में हुई सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों की समीक्षा करते हुए गत वर्ष के दौरान हुए वाहन दुर्घटना मामलों में वाहन चालकों द्वारा शराब इत्यादि मादक पदार्थों के सेवन से संबंधित आंकड़ों की सूचना भी उपलब्ध करवाने को निर्देशित किया।

उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को सड़क सुरक्षा उपायों की जानकारी एवं जागरूकता को लेकर ज़िला के संवेदनशील क्षेत्रों में मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश भी दिए ।

मुकेश रेपसवाल ने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को बिना फिटनेस प्रमाण पत्र के वाहनों के परिचालन पर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। साथ में उन्होंने पुलिस विभाग के अधिकारियों को बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने तथा बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने राष्ट्रीय उच्च मार्ग सहित ज़िले की सभी सड़कों के किनारे होने वाली अनाधिकृत पार्किंग एवं अतिक्रमण के मामलों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ में सड़कों के साथ लगते स्कूलों के समीप स्पीड ब्रेकर बनाने तथा जिले के विभिन्न स्थानों पर रेड लाइट स्थापित करने को लेकर भी संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। अध्यक्ष व्यापार मंडल वीरेंद्र महाजन, पुलिस उप अधीक्षक बलदेव दत्त, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संजीव कुमार, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रदीप सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी स्वास्थ्य डॉ. सुरेश कुमार, नोडल अधिकारी आईआरएडी डॉ. कृतिका गर्ग, सहायक अभियंता दिनेश कुमार, वीरेंद्र ठाकुर, नीतिका ठाकुर, आईआरएडी-डीआरएम एनआईसी पंकज चौहान सहित विभिन्न विभागीय अधिकारी बैठक में उपस्थित रहे ।

मुख्यमंत्री ने बाज़ार उपन्यास का विमोचन किया

» प्रथम न्यूज । शिमला
23 मई (बी.शर्मा)

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज यहां निरंजन देव शर्मा द्वारा लिखित 'बाज़ार' उपन्यास के द्वितीय संस्करण का विमोचन किया। इस पुस्तक में वर्ष 1971 से 1992 तक की महत्वपूर्ण सामाजिक और राजनीतिक घटनाओं का वर्णन है। मुख्यमंत्री ने इस कृति की सराहना करते हुए इसे समकालीन इतिहास और समाज को प्रतिबिम्बित करने वाला महत्वपूर्ण साहित्यिक योगदान बताया।

कुल्लू जिला के निवासी निरंजन देव शर्मा ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय तथा जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में अध्ययन किया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर, आधार प्रकाशन के निदेशक देश निर्मोही तथा लेखक की पत्नी प्रतिमा शर्मा भी उपस्थित थीं।

पत्तनों को नियमित करने और स्थानीय हितों की लड़ाई के लिए मैदान में उतरे जोगिंद्र देव आर्य

» प्रथम न्यूज । बंगाणा
23 मई (ब्यूरो)

चायत समिति वार्ड धतोल से चुनाव मैदान में उतरे उम्मीदवार जोगिंद्र देव आर्य ने कहा है कि पंचायत समिति की आय बढ़ाने और स्थानीय लोगों के हितों की रक्षा के उद्देश्य से उन्होंने चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि गोविंद सागर झील में वर्षों से चल रही नाव संचालन व्यवस्था आज तक किसी स्थायी नीति के दायरे में नहीं आ सकी, जिसके कारण नाव संचालकों और स्थानीय परिवारों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में नावों का संचालन अस्थायी व्यवस्था के सहारे चल रहा है। नावों की नियमित पासिंग, बीमा और सुरक्षा संबंधी प्रक्रियाएं पूरी तरह व्यवस्थित नहीं हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी रहती है। जोगिंद्र देव आर्य ने कहा कि उन्होंने पहले भी इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था, लेकिन उस समय सफलता नहीं मिल पाई। अब यदि जनता उन्हें आशीर्वाद देती है तो पहले दिन से ही नाव संचालन को स्थायी नीति के दायरे में लाने के लिए प्रयास शुरू किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि बिलासपुर की तर्ज पर गोविंद सागर झील में संचालित पत्तनों और नावों के लिए भी स्पष्ट एवं स्थायी नीति बनाई जानी चाहिए, ताकि स्थानीय नाव संचालकों को सुरक्षा, रोजगार और स्थिर भविष्य मिल सके। उन्होंने धतोल क्षेत्र की जनता से अपील करते हुए कहा कि वे उनके चुनाव चिन्ह सेब पर मोहर लगाकर उन्हें मजबूत समर्थन दें।

जोगिंद्र देव आर्य ने आरोप लगाया कि इस बार पत्तनों की नीलामी के लिए दो बार तिथियां तय की गईं, लेकिन बाद में उन्हें रद्द कर दिया गया। उन्होंने कहा कि जानकारी लेने पर पता चला कि प्रशासन इस व्यवस्था को किसी बाहरी कंपनी को सौंपने की तैयारी कर रहा है। यदि ऐसा हुआ तो स्थानीय लोगों के रोजगार पर सीधा असर पड़ेगा और वर्षों से इस कार्य से जुड़े परिवारों का भविष्य संकट में पड़ जाएगा।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने संघर्ष करके नाव संचालन व्यवस्था को खड़ा किया, उनकी मेहनत और कुर्बानी को व्यर्थ नहीं जाने दिया जाएगा। पत्तनों को नियमित करने, स्थानीय अधिकारों की रक्षा करने और स्थायी नीति लागू करवाने के लिए ही उन्होंने चुनाव मैदान में उतरने का फैसला लिया है। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि धतोल की जनता इस बार ऐतिहासिक निर्णय लेगी।

उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में यह भी इतिहास में दर्ज होगा कि पंचायत समिति द्वारा संचालित पत्तनों के लिए स्थायी नीति बनाने, स्थानीय अधिकारों की रक्षा करने और क्षेत्र के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए जनता ने मतदान किया।

पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव के लिए जिला बिलासपुर तैयारः राहुल कुमार

चुनाव के दृष्टिगत उपायुक्त ने घुमारवीं एवं झंडूता ब्लॉक में स्थापित स्ट्रांग रूम और मतगणना केंद्रों का किया निरीक्षण

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
23 मई (जितेंद्र गौतम/धर्मपाल)

जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने कहा कि जिला की सभी 182 ग्राम पंचायतों में पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव को लेकर तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि आगामी 26, 28 तथा 30 मई को तीन चरणों में आयोजित होने वाले पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव के दृष्टिगत जिला के चारों विकास खंडों में आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया गया है।

उपायुक्त आज झंडुता तथा घुमारवीं ब्लॉक में पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव को लेकर की गई तैयारियों का निरीक्षण करने के उपरांत बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने घुमारवीं तथा झंडुता स्थित महाविद्यालयों के परिसर में स्थापित स्ट्रांग रूम तथा मतगणना केंद्रों का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को उचित दिशा निर्देश भी जारी किये।

उन्होंने कहा कि पंचायत चुनावों के लिए तैनात मतदान कर्मियों के लिए आज जिला के सभी विकास खंड़ों में चुनाव डयूटी प्रमाण पत्र (ईडीसी) मतदान भी करवाया गया है। इसके लिए सभी विकास खंडों में विशेष व्यवस्था की गई थी ताकि मतदान कर्मी भी मताधिकार का प्रयोग कर सके। उन्होंने कहा कि 24 मई को मतदान दलों को संबंधित मतदान केंद्रों के लिए रवाना कर दिया जाएगा। साथ ही कहा कि मतदान से एक दिन पूर्व बैलेट पेपर संबंधित मतदान केंद्रों के चुनाव दलों को आवंटित किये जाएंगे।

उन्होंने कहा कि मतदान प्रातः 7 बजे से अपराह्न तीन बजे तक किया जाएगा। पंचायतों के मतों की गिनती मतदान पूर्ण होने के उपरांत संबंधित ग्राम पंचायत मुख्यालयों में ही की जाएगी जबकि पंचायत समिति तथा जिला परिषद के मतों की गिनती 31 मई को निर्धारित मतगणना केंद्रों पर होगी। उपायुक्त ने जिला के सभी मतदाताओं से आगामी 26, 28 और 30 मई को पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव में बढ़-चढ़ कर अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने का आह्वान किया है।

उन्होंने कहा कि बढ़ती गर्मी को देखते हुए मतदाता जल्द से जल्द मतदान करने के लिए आगे आएं ताकि लोक तंत्र की इस महत्वपूर्ण इकाई में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त ओम कांत ठाकुर, एसडीएम घुमारवीं गौरव चैधरी, एसडीएम झंडूता अर्शिया शर्मा, जिला सहायक निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) यशपाल, बीडीओ झंडूता संजीव कुमार, बीडीओ घुमारवीं अभिषेक शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पति प्रधान विवाद पर मंडलायुक्त का बड़ा फैसला, पूर्व प्रधान सोनू देवी की अपील खारिज

बीबीएन, 23 मई (तारा)। औद्योगिक क्षेत्र बद्दी की भटोलीकलां पंचायत की पूर्व प्रधान सोनू देवी से जुड़े चर्चित पति प्रधान मामले में शिमला मंडलायुक्त एवं अपीलीय प्राधिकारी ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। मंडलायुक्त ने उपायुक्त सोलन द्वारा जारी निलंबन आदेश के खिलाफ दायर अपील को निष्प्रभावी मानते हुए खारिज कर दिया। हालांकि आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि मामले में चल रही विभागीय जांच जारी रहेगी।

यह मामला झाड़माजरी-कुंजहाल निवासी राजन शर्मा की शिकायत के बाद सामने आया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि तत्कालीन प्रधान सोनू देवी ने पंचायत के विकास कार्यों की शिलान्यास पट्टिकाओं पर अपने नाम के साथ अपने पति कमल कुमार का नाम भी अंकित करवाया। साथ ही आरोप था कि उनके पति पंचायत बैठकों में हस्तक्षेप करते थे और प्रधान की कुर्सी पर बैठकर कार्यवाही प्रभावित करते थे।

मामले की प्रारंभिक जांच बीडीओ पट्टा द्वारा की गई, जिसमें दो मुख्य आरोप तय किए गए। पहला, पंचायत कार्यों की पट्टिकाओं पर पति का नाम लिखवाना और दूसरा पंचायत प्रशासन में पति का हस्तक्षेप। जांच रिपोर्ट के आधार पर उपायुक्त सोलन ने 4 जुलाई 2025 को सोनू देवी को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। सोनू देवी ने अपने जवाब में सभी आरोपों को नकारते हुए कहा था कि उन्होंने पारंपरिक रूप से अपना नाम सोनू कमल गियानी लिखना चाहा था तथा नाम परिवर्तन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी थी। उन्होंने यह भी कहा कि उनके खिलाफ किसी वित्तीय अनियमितता या गबन का आरोप सिद्ध नहीं हुआ है। मंडलायुक्त ने आदेश में कहा कि सोनू देवी का प्रधान के रूप में कार्यकाल समाप्त हो चुका है, इसलिए निलंबन आदेश स्वतः प्रभावहीन हो गया। हालांकि धारा 146 के तहत विभागीय जांच आगे भी जारी रहेगी।

श्रेयस अय्यर के शतक के दम पर पंजाब को एक महीने बाद मिली जीत, प्लेऑफ की उम्मीदों को रखा जिंदा

श्रेयस अय्यर के शतक के दम पर पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत हासिल की है। पंजाब को लगातार 6 मैचों में हार का सामना करना पड़ा था और सातवें मैच में जीत हासिल की है। इसी के साथ उन्होंने प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। हालांकि, पंजाब की किस्मत का फैसला राजस्थान करेगी।

लखनऊ ने मुकाबले में जोश इंग्लिस के शानदार अर्धशतक के दम पर 196 रन बनाए थे। इसके जवाब में पंजाब की शुरुआत बेहद खराब रही थी और 22 रनों पर दो विकेट गंवा दिए थे। हालांकि, इसके बाद अय्यर और प्रभसिमरन सिंह ने मोर्चा संभाला और दोनों के बीच 140 रनों की साझेदारी हुई। पंजाब ने मुकाबले में 7 विकेट से जीत हासिल की।

जोश इंग्लिस ने खेली कमाल की पारी

जोश इंग्लिस (72) के शानदार अर्धशतक और आयुष बडोनी (43) की आतिशी पारी की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने पंजाब किंग्स को 197 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया था। एलएसजी ने खराब शुरुआत के बाद संभलते हुए निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट खोकर 196 रन बनाए। आखिरी ओवरों में अब्दुल समद ने नाबाद 37 रनों की तेज पारी खेलकर टीम का स्कोर 190 के पार पहुंचाया।

ऋषभ पंत फिर फेल

इकाना स्टेडियम में शनिवार को इसके पहले पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का फैसला किया। उमरजाई और यानसेन ने लखनऊ को शुरुआती झटके देकर अय्यर के निर्णय को सही साबित करने का प्रयास भी किया। एलएसजी ने 20 रन के कुल स्कोर पर आर्शिन कुलकर्णी (00) और निकोलस पूरन (02) का महत्वपूर्ण विकेट गंवा दिया, लेकिन इसके बाद आयुष बडोनी ने सिर्फ 18 गेंदों पर आतिशी पारी खेलकर लखनऊ को न सिर्फ मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला, बल्कि इंग्लिस के साथ तीसरे विकेट के लिए अहम 49 रनों की साझेदारी भी की।

बडोनी बहुत अच्छी लय में थे, पर सातवें ओवर की चौथी गेंद पर चहल ने उन्हें प्रभसिमरन के हाथों कैच आउट करा पंजाब को बड़ी सफलता दिलाई। वहीं, आखिरी

मैच में भी कप्तान ऋषभ पंत (26) का बल्ला खामोश रहा, लेकिन एक छोर पर इंग्लिस जमे रहे। इसी बीच, उन्होंने 28 गेंदों पर सीजन का तीसरा अर्धशतक भी पूरा किया। इंग्लिस ने अपनी उम्दा पारी में नौ चौके व दो छक्के लगाए।

अर्शदीप ने लुटाए खूब रन

इंग्लिस के आउट होने के बाद अब्दुल समद (नाबाद 37) ने न सिर्फ पारी संभाला, बल्कि लखनऊ को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका भी निभाई। समद ने पारी के आखिरी ओवर में अर्शदीप सिंह की छह गेंदों पर एक छक्का और दो चौके समेत कुल 17 रन जुटाए। उन्होंने अपनी पारी में तीन चौके व तीन छक्के लगाए, जिसकी बदौलत एलएसजी की टीम निर्धारित ओवर में 196 रन बनाने में सफल रही।

अर्शदीप सिंह एक बार फिर पंजाब की ओर से सबसे महंगे गेंदबाज साबित हुए। उन्होंने तीन ओवर में 52 रन लुटाए और एक भी सफलता नहीं मिली। मार्को यानसेन और यजुवेंद्र चहल ने दो-दो विकेट हासिल किए और पंजाब की ओर से सबसे सफल गेंदबाज रहे।

पंजाब किंग्स की खराब शुरुआत

लखनऊ के खिलाफ पंजाब किंग्स की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने प्रियांश आर्या के रूप में पहली ही गेंद पर विकेट गंवा दिया। मोहम्मद शमी ने उन्हें मैदान से बाहर का रास्ता दिखाया। इसके बाद अपने अगले ओवर में शमी ने पंजाब को एक और झटका दिया। उन्होंने कूपर कोनोली (18) को अपना शिकार बनाया और पंजाब को दो शुरुआती झटके दे दिए।

श्रेयस अय्यर और प्रभसिमरन सिंह ने संभाला मोर्चा

पंजाब ने 22 रनों पर दो विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर और सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने मोर्चा संभाला।

दोनों के बीच 76 गेंदों पर 140 रनों की साझेदारी की और पंजाब की मुकाबले में वापसी कराई। प्रभसिमरन ने 39 गेंदों पर 69 रन बनाए। अर्जुन तेंदुलकर ने इस साझेदारी को तोड़ा और एक शानदार यॉर्कर से उनकी पारी को समाप्त किया।

पंजाब किंग्स ने जीता मुकाबला

197 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब ने 18 ओवरों में हासिल कर लिया। अय्यर ने मैच में कप्तानी पारी खेली। उन्होंने अपने आईपीएल करियर का पहला शतक लगाया और 51 गेंदों पर नाबाद 101 रनों की पारी खेली।

पंजाब ने इस जीत के साथ प्लेऑफ की उम्मीदों को जिंदा रखा है। हालांकि, उनको उम्मीद करनी होगी कि राजस्थान मुकाबला हार जाए। आरआर को अपना अगला मैच रविवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में खेलना है।

फाइनल का टिकट कटाने से पहले आधी हुई RCB की ताकत! स्टार ओपनर लौट गया लंदन

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस के खिलाफ होने वाले क्वालीफायर मुकाबले से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को बड़ा झटका लगा है। युवा बल्लेबाज जैकब बेथेल चोट की वजह से इंग्लैंड वापस लौट गए हैं। इससे पहले फिल सॉल्ट, जो शानदार फॉर्म में थे, वे भी अब तक फिट नहीं हो सके हैं और बेंगलुरु को दूसरा झटका लगा है। हालांकि, अब तक ये एलान नहीं किया गया है कि वे क्वालीफायर मुकाबले में खेलेंगे या नहीं।

बेंगलुरु आईपीएल 2026 में अंक तालिका में टॉप पर मौजूद है। उन्हें अपने आखिरी मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में 55 रनों से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, इसके बावजूद वे शीर्ष पर बने रहे और धर्मशाला में खेले जाने वाले पहले क्वालीफायर में खेलते हुए दिखाई देंगे। इससे पहले उन्हें झटका लगा है लेकिन टीम को उम्मीद होगी कि बेथेल फिट हो जाएं और फिर से टीम के साथ जुड़ें।

जैकब बेथेल लौटे इंग्लैंड : बेथेल को आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में बाएं हाथ की उंगली में चोट का सामना करना पड़ा था। इसके बाद वे सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में नहीं खेल सके। अब वे इंग्लैंड लौट गए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले उनकी चोट का आंकलन किया जाएगा और उसके बाद ही कोई फैसला होगा। बेंगलुरु ने खुद एक्स पर एक पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी है। बेथेल को सॉल्ट के चोटिल होने के बाद बेंगलुरु के लिए ओपनिंग करने का मौका मिला था। हालांकि, वे एक भी बड़ी पारी नहीं खेल सके और अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके लेकिन उनकी प्रतिभा से हर कोई वाकिफ है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में वे भारत के खिलाफ अकेले डट गए थे और शतक लगाकर टीम इंडिया के लिए बड़े सिरदर्द बन गए थे। ऐसे में उनका बाहर होना बंगलुरु के लिए बड़ा झटका है।

RCB की टीम पहला क्वालीफायर खेलेगी : आईपीएल 2026 में बेंगलुरु ने 14 मुकाबले खेले और 9 मैचों में जीत हासिल की। इसी के साथ उन्होंने अपना सफर पहले स्थान पर समाप्त किया। गुजरात की टीम दूसरे स्थान पर है और इन दोनों टीमों के 18-18 अंक हैं लेकिन आरसीबी का नेट रन रेट बेहतर है। इन दोनों टीमों के बीच पहला क्वालीफायर मैच 26 मई को धर्मशाला में खेला जाना है। जिस टीम को मैच में जीत मिलेगी, उसे फाइनल का टिकट मिलेगा, जबकि हारने वाली टीम दूसरा क्वालीफायर खेलेगी।

वेर्का में चारे के बीज के नाम पर किया करोड़ों का घोटाला : टीना चौधरी

मामले की विजिलेंस और सीबीआई जांच की मांग

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

23 मई (मुकेश डोलिया)

चंडीगढ़ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में वरिष्ठ कांग्रेस प्रवक्ता टीना चौधरी और होशियारपुर से पंजाब किसान यूनियन के प्रधान चरणजीत सिंह बराड़ ने वेर्का मिल्क फेड में किसानों को सब्सिडी पर दिए जाने वाले पशु चारे के बीज में करोड़ों रुपये के घोटाले का आरोप लगाया।

नेताओं ने कहा कि वर्ष 2025 में वेर्का मिल्क फेड द्वारा किसानों को 30 प्रतिशत सब्सिडी पर हाईब्रिड मक्की का बीज उपलब्ध करवाने के लिए टेंडर जारी किए गए थे। यह टेंडर मानसा की फर्म नव-दुर्गा ट्रेडिंग कंपनी को दिया गया। आरोप है कि फर्म ने केवल बीजों के बिल दिए, जबकि वास्तविक रूप से बीज की सप्लाई नहीं की गई।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया गया कि एक बंद पड़ी ट्रांसपोर्ट कंपनी की फर्जी बिल्टियों का इस्तेमाल कर यह दिखाया गया कि बीज वेर्का के गोदामों तक पहुंचा दिए गए। इसके बाद वेर्का मिल्क प्लांट होशियारपुर ने इन फर्जी बिलों को अपने रिकॉर्ड में दर्ज कर विभिन्न दुग्ध एवं पशु केंद्रों में वितरित दिखा दिया। आगे इन केंद्रों से बीजों की सप्लाई वेर्का सोसायटियों तक दिखाकर पूरा रिकॉर्ड तैयार किया गया, जबकि असल में किसानों तक कोई बीज नहीं पहुंचा।

टीना चौधरी और चरणजीत सिंह बराड़ ने आरोप लगाया कि किसानों को उनके दूध की पेमेंट नकद देकर वाउचर पर हस्ताक्षर करवाए गए और बाद में रिकॉर्ड में दिखाया गया कि किसानों ने चारे का बीज खरीद लिया है तथा उसकी राशि उनके दूध के बिलों से काट ली गई है। इस पूरी प्रक्रिया के जरिए किसानों और वेर्का को करोड़ों रुपये का नुकसान पहुंचाया गया।

उन्होंने कहा कि वेर्का की आंतरिक जांच में भी इस घोटाले का उल्लेख किया गया था, लेकिन अब तक किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं हुई। नेताओं ने आरोप लगाया कि बड़े अधिकारियों की मिलीभगत के कारण मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है।

टीना चौधरी और चरणजीत सिंह बराड़ ने मुख्यमंत्री भगवंत मान से मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष विजिलेंस जांच और सीबीआई जांच करवाई जाए ताकि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो सके।

एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ द्वारा बाइक चोर काबू, 7 चोरीशुदा बाइक बरामद

कैथल, 23 मई (कृष्ण गर्ग)- दुपहिया वाहन चोरों पर एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के आदेशानुसार जिला पुलिस द्वारा लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। इसी कड़ी में थाना सिविल लाइन क्षेत्र से बाइक चोरी करने के मामले की जांच एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टॉफ प्रभारी एसआई मुकेश कुमार की अगुवाई में एएसआई ईशम सिंह की टीम द्वारा करते हुए आरोपी गांव पोलड़ निवासी सहजप्रीत सिंह को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांव तितरम निवासी शमशेर सिंह की शिकायत अनुसार 15 मई को करनाल रोड़ कैथल से अज्ञात व्यक्ति उसकी बाइक चोरी कर ले गया। जिस बारे थाना सिविल लाइन में मामला दर्ज कर लिया गया। व्यापक पूछताछ दौरान आरोपी के कब्जे से उक्त चोरीशुदा बाइक बरामद करने के अतिरिक्त कुल 7 चोरी की बाइक बरामद की गई है। आरोपी ने बताया कि यह सभी बाइक उसके द्वारा थाना शहर, सिविल लाईन व चीका क्षेत्र से चोरी की गई है। कैथल पुलिस द्वारा बाइक चोरी के आरोपियों की निरंतर धरपकड़ की जा रही है। गत दिन भी एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ द्वारा एक आरोपी को गिरफ्तार करके 8 बाइक बरामद की गई थी। आरोपी को अदालत के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

कैथल पुलिस का नशे मुक्त हो जिला अभियान लगातार जारी

गांव-गांव पहुंचकर आमजन सहित युवाओं को किया जा रहा जागरूक

» प्रथम न्यूज । कैथल

23 मई (कृष्ण गर्ग)

नशे मुक्त हो जिला मुहिम के तहत समाज को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक मनप्रीत सिंह सूदन के कुशल नेतृत्व एवं निर्देशानुसार कैथल पुलिस द्वारा जिले भर में नशा जागरूकता अभियान को निरंतर प्रभावी रूप से चलाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे की गिरफ्त से बाहर निकालकर उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित एवं सकारात्मक जीवन की ओर प्रेरित करना है। इसी कड़ी में नशा जागरूकता टीम में शामिल एसआई कर्मबीर सिंह, एएसआई मनोज, एचसी दिनेश, सिपाही नसीब, महिला सिपाही नीलम, महिला एसपीओ गीता, एसपीओ चांदी राम की टीम द्वारा गुहला, चीका व भागल में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की कार्यक्रमों के दौरान आमजन सहित युवाओं, विद्यार्थियों और महिलाओं को नशे के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। टीम सदस्यों ने उपस्थित लोगों को बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार, समाज और भविष्य को भी प्रभावित करता है। युवाओं को नशे से दूर रहकर खेल, शिक्षा और रोजगार जैसे सकारात्मक कार्यों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही आमजन को यह भी जानकारी दी गई कि यदि कहीं भी नशे का अवैध कारोबार दिखाई दे तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते सख्त कार्रवाई की जा सके। ग्रामीणों ने भी पुलिस के इस अभियान की सराहना करते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग देने का आश्वासन दिया। कैथल पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नशे के खिलाफ यह जागरूकता अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा, ताकि जिले को नशामुक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें।

डीटीपी की टीम ने लगभग 9 एकड़ में पनप रही अवैध कालोनी में किए गए निर्माण को किया नष्ट : विश्राम कुमार मीणा

-डीटीपी की टीम ने अवैध कॉलोनियों में चारदीवारी, कच्ची सडकों, डीपीसी को किया नष्ट

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र

23 मई (बृज मोहन)

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि राजस्व संपदा थानेसर के विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 9 एकड़ में पनप रही अवैध कालोनियों में जिला प्रशासन की मदद से तोड़-फोड़ की कार्रवाई अमल में लाई गई। यह डयूटी मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में पुलिस बल के साथ डीटीपी की टीम ने हरमन सिंटी, सेक्टर-31, सेक्टर-32 अमीन रोड खेड़ी रामनगर के क्षेत्र पर 9 एकड़, में बनी अवैध कालोनी में बनी कच्ची सडकें, चार दीवारी के अवैध निर्माण को पीले पंजे से हटाया गया। इसके साथ ही अवैध अतिक्रमण को भी हटवाया गया।

उन्होंने कहा कि डीटीपी नवीन कुमार की रिपोर्ट के अनुसार राजस्व संपदा थानेसर हरमन सिटी, सेक्टर-31, सेक्टर-32 अमीन रोड खेड़ी रामनगर क्षेत्र लगभग 9 एकड़ में पनप रही अवैध कॉलोनी के पनपने का मामला सामने आया था, जिसके उपरांत विभाग द्वारा भूस्वामी और प्रॉपर्टी डीलरों को एचडीआर एक्ट 1975 की धाराओं के तहत नोटिस जारी कर जरूरी अनुमति लेने के आदेश दिए गए थे, परंतु भूस्वामी और प्रॉपर्टी डीलरों ना तो अवैध कालोनियों में किए जा रहें निर्माण को रोका और ना ही विभाग से अनुमति प्राप्त की। इस पर जिला नगर योजनाकार विभाग द्वारा कार्रवाई करते हुए विभाग द्वारा इन अवैध कालोनियों में निर्माण को नष्ट करने का काम किया गया है।

उन्होंने लोगों को सचेत करते हुए कहा कि सस्ते प्लाटों के चक्कर में प्रॉपर्टी डीलर के बहकावे में आकर प्लाट ना खरीदें और ना ही किसी प्रकार का निर्माण कार्य करे। इतना ही नहीं जमीन की खरीद करने से पहले डीटीपी कार्यालय से कॉलोनी की वैधता और अवैधता की जानकारी प्राप्त कर लें। सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार भी रजिस्ट्री करने से पहले सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पालना करें।

यदि कोई व्यक्ति अवैध कालोनियों में कोई प्लॉट खरीदता है तो उसके विरुद्ध भी डीटीपी कार्यालय द्वारा कार्रवाई अमल में लाई जाएगी और जिसमें 50 हजार का जुर्माना व 3 साल की सजा का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि ग्रुप हाउसिंग स्कीम में दीनदयाल हाउसिंग स्कीम व अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग स्कीम के तहत 5 एकड़ भूमि पर लाइसेंस प्रदान किया जाता है, जिसमें आवेदन करके कॉलोनी काटने की जरूरी अनुमति प्राप्त की जा सकती है।

गर्मियों में बालों से दूर करें पसीना

हेयरफॉल की वजह वैसे तो कई होती हैं पर सबसे आम होती है पसीना। गर्मी में मौसम के अलावा बारिश के मौसम में इस समस्या का सामना करना पड़ता है

गर्मियों के दिन शुरू हो चुके हैं। तेज धूप, , गर्मी और पसीने वाले इस मौसम में बालों की सेहत को लेकर सतर्क रहना बेहद जरूरी है।

गर्मियों में पसीने के कारण बालों में रुसी और चिकनाई बढ़ जाती है जिससे बाल कमजोर हो जाते हैं और बालों का झड़ना शुरू हो जाता है इसलिए गर्मियों में सिर पर अत्यधिक तेल के उपयोग से बचना चाहिए और बालों को कंडीशनर के साथ धोना चाहिए ।

कामकाज के सिलसिले में हमे अक्सर बाहर निकलना पड़ता है और दोपहर के समय सूरज की तेज किरणों के संपर्क में रहने से आपके स्कैल्प और बालों के स्ट्रैंड्स की नमी कम हो जाती है जिसके कारण बाल सुस्त और सूखे हो जाते हैं। इससे बाल अधिक भंगुर हो जाते हैं और बालों के गिरने का खतरा बढ़ जाता है।

गर्मियों में बालों में पसीना आता है तो पसीने में बिद्यमान लेक्टिक एसिड

बालों में मौजूद केराटिन के साथ मिलकर बालों और खोपड़ी को खराब करता है। इससे बाल झड़ने लगते हैं।इसी तरह पसीना बालों की जड़ों में जमकर बालों को नुकसान करता है।

पसीना आने की वजह से बालों से बदबू आती है और बाद में डैंड्रफ भी होने लगता है। यह सब कुछ आपके बालों को खराब करता है। पसीने से त्वचा के छिद्र बंद हो जाते हैं । इससे बालों को ठीक से ऑक्सीजन और न्यूट्रिएंट्स नहीं मिल पाते हैं और बाल झड़ना शुरु हो जाते हैं।

बालों में जमा पसीना खोपड़ी पर पहले से जमा बैक्टीरिया के साथ मिल जाता है और फंगल संक्रमण का कारण बनता है जोकि बालों के झड़ने का कारण बनती है।

जब पसीना खोपड़ी पर गुच्छे के साथ मिल जाता है तो यह छिद्रों को अवरुद्ध कर सकता है और बालों के रोम को निष्क्रिय कर सकता है। इससे काफी हद तक बाल झड़ने की समस्या हो सकती है।

स्कैल्प की मसाज

बालों के रोम में उचित रक्त संचार के लिए स्कैल्प की तेल से मसाज ।आंवला हॉट ऑयल ट्रीटमेंट/हेयर मास्क काफी मददगार साबित होती है ।यह बालों में नमी प्रदान करते हैं , बालों को पोषण प्रदान करते हैं , बालों की गन्दगी और बिषाक्त तत्वों को हटाने में मदद करते हैं जिससे बाल मजबूत होते हैं ।बालों को प्रकृतिक रूप में नमी बनाये रखने के लिए गर्मियों में रोजाना 2.3 लीटर पानी पीना चाहिए जिससे स्कैल्प में पौषक तत्वों का नियमित संचार होता है और रुसी जैसी समस्या से मुक्ति मिलती है ।एलोवेरा बालों ।खोपड़ी की प्रकृतिक नमी बनाये रखने में काफी मददगार साबित होता है जिससे बाल कोमल और मजबूत होते हैं ।इसके लिए एलोवेरा की पत्तियों को स्कैल्प में आहिस्ता से रब करें और इसके आधा घण्टा बाद ताजे साफ पानी से धो डालें /

गर्मियों में स्कैल्प में बहुत ज्यादा खुजली होती है तो टाइट हेयर स्टाइल /पोनीटेल या जूड़ा न बनाएं और न ही बालों को बांध कर रखें क्योंकि यह पसीने को बालों में रोक देते हैं जिससे बालों में गन्दगी जमा हो जाती है जोकि बालों के झड़ने का कारण बनते है ।हवा के प्रबाह को बढ़ाने के लिए बालों को खुला छोड़े तो बेहतर होगा /

हीट-स्टाइलिंग टूल्स से बचें

बालों को सुखाने के लिए हेअर ड्रायर। रासायनिक हीट स्टाइलिंग टूल के उपयोग की बजाय तौलिये का उपयोग करें । हेयर ड्रायर और हेयर स्ट्रेटनर जैसे हीट स्टाइलिंग टूल्स का इस्तेमाल करने से आपके बालों को अधिक नुकसान होगा, क्योंकि उच्च तापमान और उच्च आर्द्रता के कारण आपके बाल पहले से ही सूखे होते हैं।

सेब का सिरका पसीने को नियंत्रित करने के लिए जाना जाता है। यह स्कैल्प के पीएच बैलेंस को ठीक करता हैऔर पसीने के

स्राव में कमी लाता है।

गर्म पानी में एप्पल साइडर सिरका एक चम्मच डालकर अपने सिर की मालिश करें। फिर इसे कुछ मिनट के लिए छोड़ दें और बाद में ताजे पानी से धो डालें

गर्मियों के मौसम में बालों की अच्छी सेहत के लिए हाइड्रेट रहने के साथ .साथ अच्छा आहार खाएं जैसे सलाद , फल , सब्जियां, जूस इत्यादि।मसालेदार भोजन से आपको अधिक गरमी महसूस होती है जिससे अधिक पसीना आता है। कॉफी में मौजूद कैफीन से आपके हृदय की गति बढ़ जाती है व रक्तचाप के स्तर में भी फर्क पड़ता है इसलिए आपके पसीने की ग्रंथिया सक्रिय हो जाती हैं।

सुनिश्चित करें कि गर्मियों में आपके आहार में आयरन या प्रोटीन की कमी न हो। आपको प्रोसेस्ड /जंक फूड से बचने की जरूरत है क्योंकि इसमें खराब कार्ब्स और बहुत सारी चीनी होती है जो न केवल आपके स्कैल्प के लिए बल्कि आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए भी खराब है।

बालों के विकास को प्रोत्साहित करने के लिए बादामए काजू और अखरोट जैसे खाद्य पदार्थों में मेवे शामिल करें। हरी पत्तेदार सब्जियां खाने से बालों के रोमकूप घने होते हैं और गर्मियों में बालों का गिरना नियंत्रित होता है।

डेयरी उत्पाद भी विटामिन बी का एक बड़ा स्रोत हैं जो बालों के झड़ने से लड़ने के लिए जाना जाता है।

हफ्ते में एक या दो बार बालों को गुलाब जल से धोना चाहिए।इससे बाल खुशबूदार और बहुत ही खूबसूरत हो जाते है। इसके साथ ही बालों में बदबू और चिपचिपाहट दूर हो जाती है/

शहनाज़ हुसैन

लेखिका अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौन्दर्य विशेषज्ञ है और हर्बल क्वीन के रूप में लोकप्रिय है।

बच्चों के दांतों से होगा कैंसर और दिल का इलाज

बचपन में गिरने वाले दूध के दांत को संजो कर रखना भविष्य में बहुत लाभदायक हो सकता है। अमेरिका में नेशनल रिसर्च सेन्टर फॉर बायोटेक्नोलॉजी के एक शोध में दावा किया गया है कि बचपन मे गिरने वाले दूध दांतों में मौजूद स्टेम सेल से कैंसर और हृदय संबंधी बीमारियों का इलाज किया जा सकता है। शोधकर्ताओं के अनुसार बच्चों के दांत पर्यावरण के साथ ज्यादा समय तक संपर्क में नहीं रहते इसलिए ज्यादा खराब नहीं होते। जबकि, बड़े लोगों के दांत बहुत खराब हो जाते हैं। शोध के अनुसार बच्चों के दांतों में मौजूद स्टेम सेल की मदद से शरीर में आसानी से नई कोशिकाओं को उगाया जा सकता है।

बच्चों के दांतों से मिलने वाला स्टेम सेल इलाज में इतना कारगर साबित हो सकता है कि अब शरीर के दूसरे हिस्से से बोन मैरो निकलने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

कई समस्याओं का होगा समाधान

दांतों में मौजूद स्टेम सेल की खोज और उसपर शोध की प्रक्रिया अभी शुरुआती चरण में है, लेकिन भविष्य में इसकी मदद से कैंसर का इलाज करने और न्यूरल कोशिकाएं उगा कर हृदयाघात को रोकने में मदद मिल सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार दांतों में मिलने वाले स्टेम सेल की मदद से हड्डियों को, गुर्दे को और आंखों की टिश्यू को दोबारा उगाया जा सकता है। यह स्टेम सेल 10 साल के बच्चे के दांतों से मिल सकती हैं।

चीन में हुआ प्रयोग

चीन में बच्चों के दांतों के स्टेम सेल से बड़े लोगों में दोबारा दांत उगाया गया। यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिल्वेनिया के शोधकर्ताओं के अनुसार इस स्टेम सेल की मदद से उगाए गए दांतों से लोगों को दोबारा ठंडा-गर्म महसूस होने लगा।

खाने की ये 5 चीजें दिलाएंगी मांसपेशियों में खिंचाव से राहत

कई बार भारी व्यायाम करने या ज्यादा मेहनत वाला काम करने से मांसपेशियों में खिंचाव आ जाता है। इसके कारण बदन में दर्द और अकड़न बनी रहती है। कई बार यह थोड़ा ज्यादा तकलीफदेह भी हो जाता है। जो मांसपेशी थकी होती है या कमजोर होती है उसमें खिंचाव होने की संभावनाएं अधिक होती हैं। यह सही पोषण ना लेने के कारण भी हो सकता है। हालांकि स्ट्रेच और मासज करने से प्रभावित हिस्से में दर्द कम हो सकता है। इसके अलावा आप कुछ खाद्य पदार्थों का सेवन करके भी मांसपेशियों में होने वाली ऐंठन से राहत पा सकते हैं।

केला

केला पोटेशियम का एक अच्छा स्रोत है। पोटेशियम के अलावा इसमें कैल्शियम और मैग्नीशियम भी पाए जाते हैं जो आपकी मांसपेशियों में होने वाले खिंचाव को कम करते हैं।

नट्स

नट्स जैसे अखरोट, बादाम, मूंगफली और बीज आपको मांसपेशियों में ऐंठन और दर्द से बचाव करने में मदद करते हैं। 28 ग्राम बादाम में आपकी दैनिक जरूरत का 20 प्रतिशत मैग्नीशियम पाया जाता है। अन्य नट्स और सीड्स में भी कैल्शियम और मैग्नीशियम अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। इसलिए मांसपेशियों के खिंचाव से बचने के लिए इन्हें अपने आहार में शामिल करें।

शकरकंद

एक पके हुए शकरकंद में 542 मिग्रा पोटेशियम होता है जो आपकी दैनिक जरूरत का 12 प्रतिशत है। पोटेशियम मसल्स के विकास में मदद करता है। इसकी कमी के कारण भी मांसपेशियों में खिंचाव हो सकता है। साथ ही इनमें विटामिन ए भी होता है। आप इनका सेवन गैस पर या ओवन में भून करके भी कर सकते हैं।

टमाटर

टमाटर में पोटैशियम के साथ-साथ पानी की भी अच्छी मात्रा होती है। एक कप टमाटर के जूस के सेवन से आपको दैनिक जरूरत का 15 प्रतिशत पोटैशियम मिलता है। इसलिए शरीर को हाइड्रेट रखने और मांसपेशियों के खिंचाव से बचने के लिए टमाटर को आहार में शामिल करना अच्छा रहता है।

अंडा

अंडा प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। इसके अलावा इसमें, अमीनो एसिड ल्यूसिन भी पाया जाता है जो मसल्स बिल्ड करने में मदद करता है।

अंडे शरीर में सूजन और दर्द को कम करते हैं। इनमें एंटीऑक्सीडेंट जैसे सेलेनियम और ल्यूटिन होते हैं।

मच्छरों के कारण हर साल फैलने वाली इन तीन बीमारियों का अब तक नहीं है कोई इलाज, फिर कैसे रहें सुरक्षित?

मानसून के महीनों में मच्छरों के कारण होने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। भारत में हर साल जुलाई से लेकर सितंबर-अक्तूबर के महीनों में मच्छरजनित बीमारियों जैसे डेंगू-मलेरिया, चिकनगुनिया के कारण अस्पतालों में भारी भीड़ देखी जाती रही है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के विशेषज्ञों के अनुसार, हर साल दुनियाभर में लाखों लोग सिर्फ मच्छरों के काटने से होने वाली बीमारियों के कारण मारे जाते हैं। आश्चर्य की बात ये है कि इनमें से कई बीमारियों का अब तक कोई विशिष्ट इलाज उपलब्ध नहीं है, बल्कि उपचार के तौर पर डॉक्टर सिर्फ लक्षणों को ठीक करने वाले उपायों-दवाओं को प्रयोग में लाते हैं।

डेंगू, चिकनगुनिया और जीका ऐसी ही तीन खतरनाक बीमारियां हैं जिनका अभी तक कोई स्थायी इलाज या वैक्सीन नहीं है। यही वजह है कि डॉक्टर सभी लोगों को बचाव के उपायों का पालन करते रहने की सलाह देते रहते हैं। इन बीमारियों की सबसे बड़ी समस्या यह भी है कि शुरुआती लक्षण साधारण बुखार जैसे होते हैं, लेकिन धीरे-धीरे ये जानलेवा रूप ले सकते हैं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, मच्छरों से होने वाली तमाम बीमारियां हर साल लोगों के परेशान करती हैं। डेंगू में प्लेटलेट्स तेजी से घटने लगता है जो गंभीर स्थितियों में जानलेवा भी हो सकता है। चिकनगुनिया महीनों तक जोड़ों में दर्द देता रहता है वहीं जीका वायरस गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए आजीवन खतरा बन सकता है। यानी ये सिर्फ बीमारी नहीं, बल्कि गंभीर चिंता का कारण भी हैं।

चूंकि इन तीनों का कोई पक्का इलाज नहीं है इसलिए डॉक्टर सिर्फ लक्षणों को कंट्रोल करते हैं।

डेंगू का खतरा

डेंगू एक वायरल बीमारी है जो एडीज एजिप्टी नामक मच्छर के काटने से फैलती है। दुनियाभर में हर साल लगभग 40 करोड़ लोग डेंगू का शिकार होते हैं। भारत में मानसून के दिनों में और बरसात के बाद यह सबसे ज्यादा फैलता है। डेंगू के कारण रोगियों को तेज बुखार, सिरदर्द, आंखों के पीछे और मांसपेशियों-जोड़ों में दर्द के साथ त्वचा पर लाल चकत्ते हो सकते हैं। गंभीर स्थिति में यह हेमरेजिक फीवर या डेंगू शॉक सिंड्रोम का भी कारण बन सकता है। इसमें प्लेटलेट्स की संख्या तेजी से घटने लगती है जो शरीर में अंदरूनी रक्तस्राव का कारण बन सकती है। डेंगू का कोई विशेष इलाज मौजूद नहीं है। इसके उपचार में केवल बुखार कम करने, प्लेटलेट्स को कम होने से बचाने और शरीर में पानी की कमी पूरी करने पर ध्यान दिया जाता है।

जीका वायरस का देखा जाता रहा है प्रकोप

जीका वायरस के प्रकोप की खबरें आप भी सुनते रहे होंगे। ये एडीज मच्छर से फैलता है। सामान्यत; इस रोग के कारण हल्का बुखार, आंखों में लालिमा (कंजक्टिवाइटिस), सिरदर्द, त्वचा पर लाल दाने और जोड़ों में दर्द की समस्या देखी जाती है।

हालांकि ये गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के लिए खतरनाक हो सकता है। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट बताती हैं कि अगर गर्भवती महिला को जीका वायरस हो जाए तो बच्चे में माइक्रोसिफली जैसी गंभीर स्थिति हो सकती है, जिसमें बच्चे का सिर और दिमाग पूरी तरह विकसित नहीं हो पाता।

जीका का भी कोई विशेष इलाज या वैक्सीन नहीं है। मरीज को सिर्फ लक्षणों को कम करने वाली दवाइयां, आराम और पर्याप्त तरल पदार्थ लेने की सलाह दी जाती है। डॉक्टर बताते हैं, इन तीनों बीमारियों से बचाव ही एकमात्र कारगर तरीका है। इसके लिए मच्छरदानी का प्रयोग, पूरी बाजू के कपड़े पहनना और घर के आसपास पानी जमा न होने देना सबसे जरूरी है।

चिकनगुनिया का कई महीनों तक दिखता है असर

डेंगू की तरह चिकनगुनिया भी खतरनाक है और इसका भी कोई पुख्ता इलाज नहीं है। चिकनगुनिया के लक्षणों में अचानक तेज बुखार, सिरदर्द, थकान, त्वचा पर लाल चकत्ते और जोड़ों में दर्द-सूजन शामिल है। यह बीमारी वैसे तो कम जानलेवा होती है, लेकिन इसका सबसे बड़ा खतरा लंबे समय तक दर्द और कमजोरी बने रहना है।

कई मरीज महीनों तक चलने-फिरने में असमर्थ रहते हैं। चिकनगुनिया का भी कोई सीधा इलाज या बचाव के लिए वैक्सीन नहीं है। मरीजों को आराम करने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और पौष्टिक आहार लेने के साथ दर्द कम करने के लिए पैरासिटामोल दी जाती है।